हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार 15 मार्च 2026

9 धर्म का वास्तविक अर्थ समाज की कुरीतियों का विनाश : प्रेमानंद

10 लोक अदालत में 29912 मामलों में से 20995 का निपटारा

खबर संक्षेप

हिन्दू नववर्ष पर सत्संग व रक्तदान शिविर 19 को

फतेहाबाद। हिन्दू नववर्ष के अवसर पर स्वामी सदानन्द प्रणामी गौसेवा चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से सत्संग प्रवचन व रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में परमहंस संत शिरोमणि श्री श्री 108 डॉ. स्वामी सदानन्द महाराज शिरकत करेंगे। आश्रम के प्रमुख सेवादार विनोद तायल ने बताया कि यह कार्यक्रम हांसपुर रोड स्थित श्री सद्गुरू कृपा अपना घर आश्रम, फतेहाबाद में 19 मार्च को प्रातः 9 बजे से आयोजित होगा।

क्रेसण्ट स्कूल में छात्रवृत्ति परीक्षा आज, तैयारियां पूरी

फतेहाबाद। शहर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान क्रेसण्ट पब्लिक स्कूल में 15 मार्च रविवार को कक्षा 11 के विद्यार्थियों के लिए एक विशेष छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। यह परीक्षा क्रेसण्ट स्कूल परिसर में प्रातः 10 बजे आयोजित की जाएगी, जिसमें आसपास के सभी विद्यालयों के विद्यार्थी भाग ले सकेंगे। परीक्षा के सभी प्रश्न ऑब्जेक्टिव टाइप होंगे, ताकि विद्यार्थियों की योग्यता एवं ज्ञान का निष्पक्ष मूल्यांकन किया जा सके।

हेरोइन तस्करी में मुख्य सप्लायर को किया काबू

फतेहाबाद। हेरोइन तस्करी के एक मामले में कार्रवाई करते हुए रतिया पुलिस ने मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान कमलदीप सिंह उर्फ कमल प्रधान पुत्र सुमेर सिंह, निवासी वार्ड नंबर 03, रतिया के रूप में हुई है। थाना शहर रतिया प्रभारी निरीक्षक पुष्पा ने बताया कि यह मामला 11 जनवरी को सामने आया था, पुलिस टीम ने टेलीफोन एक्सचेंज के पास छापेमारी की थी।

अयाल्की में श्रीमद्भागवत कथा आज से

फतेहाबाद। स्वामी सदानंद प्रणामी जी सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट, जिला प्रशासन फतेहाबाद व ग्राम पंचायत अयाल्की द्वारा गांव में संचालित श्री कृष्ण प्रणामी गौशाला में 15 से 21 मार्च तक सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि कथा का समय प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से सायं 2 बजे तक रहेगा। इस मौके पर कथावाचक स्वामी राजदास महाराज कैमरी वाले, राष्ट्रीय युवा संत पहुंचेंगे।

प्रेमचंद मित्तल ने की चुनाव लड़ने की घोषणा

फतेहाबाद। व्यापार मंडल अनाजमंडी के चुनाव इसी वर्ष में होने हैं। प्रत्याशियों ने अभी से तैयारियां शुरू कर दी है। इसी बीच व्यापार मंडल अनाजमंडी के पूर्व प्रधान प्रेमचंद मित्तल ने घोषणा की है कि व्यापार मंडल के आगामी चुनाव में वह प्रधान पद पर चुनाव लड़ेंगे। इसको लेकर उन्होंने अपना प्रचार भी शुरू कर दिया है। उल्लेखनीय है कि प्रेमचंद मित्तल पहले भी प्रधान के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

एजेंसियों के गोदामों में 20,166 गैस सिलेंडरों का बफर स्टॉक

गूगल-पे, फोन-पे और पेटीएम से हो रही बुकिंग, नहीं लग रहे एजेंसियों के नबंर

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

गैस एजेंसी की ओर से सिलेंडर बुक करने के लिए जो मोबाइल नंबर जारी कर रखे थे, वे नंबर अब लग नहीं रहे हैं, जिसके कारण उपभोक्ता परेशान हो रहे हैं।

प्रतिदिन करीब 6 हजार की बुकिंग हो रही

गूगल पे, फोन पे और पेटीएम से गैस सिलेंडर की बुकिंग हो रही है। गैस एजेंसियों का कहना है कि उपभोक्ता ऑनलाइन यूपीआई पेमेंट करें। यह पेमेंट सीधा कंपनी के खाते जमा होगी। जिसका स्क्रीन शॉट या ऑनलाइन मिलने वाली रसीद एजेंसी के कर्मचारी को दिखानी होगी। इसके बाद सिलेंडर मिल जाएगा। इस प्रक्रिया से पेमेंट करने पर उपभोक्ता को 24 घंटे के भीतर सिलेंडर उपलब्ध हो जाएगा। गैस एजेंसी की ओर से उपभोक्ता को सूचना भी दी जाएगी। इसके साथ ही उपभोक्ता के एरिया में जाकर सिलेंडर की होम डिलीवरी की जाएगी। अगर कोई उपभोक्ता नेट बैंकिंग, फोन-पे, गूगल-पे यूज नहीं करता तो एजेंसी से बुकिंग करा सकता है। उधर, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के आंकड़ों के अनुसार प्रतिदिन करीब 6 हजार की बुकिंग हो रही है और 24 घंटे में यह सप्लाई दी जा रही हैं। फिलहाल जिले की 23 गैस एजेंसियों के पास 20166 सिलेंडर स्टॉक में पड़े हुए हैं।

संचालक बोले: पर्याप्त स्टॉक, दिक्कत नहीं होगी

कमर्शियल गैस सिलेंडर करीब 5 दिनों से बंद हैं। वहीं, घरेलू गैस सिलेंडर की स्थिति कुछ सामान्य होती नजर आ रही है। शनिवार को सुबह गैस एजेंसियों व गोदामों पर सिलेंडर लेने आए लोगों की भीड़ नजर आई लेकिन दोपहर बाद स्थिति सामान्य हो गई। एजेंसी संचालकों का कहना है कि घरेलू गैस सिलेंडर की किल्लत को लेकर लोगों में भ्रम फैला हुआ है। पर्याप्त मात्रा में गैस सिलेंडर का स्टॉक बचा हुआ है। घर की रसोई के लिए उपभोक्ताओं को सिलेंडर हर हाल में दिया जाएगा। शहर में प्रमुख गैस एजेंसियां बाला जी गैस एजेंसी, सुखमनी गैस एजेंसी व शहीद मनोहर लाल गैस हैं। ये तीनों गैस एजेंसियों से ह शहर सहित ग्रामीण एरिया के कई हजार उपभोक्ता जुड़े हुए हैं। मिली जानकारी के अनुसार के फतेहाबाद में प्रतिदिन 5 से 6 हजार घरेलू गैस सिलेंडर की खपत होती है। इसके अतिरिक्त कमर्शियल गैस सिलेंडर की खपत अलग है।

पैनिक न हों... गाइडलाइन के अनुसार मिलेगा गैस सिलेंडर

आज जिले में 6543 बुकिंग हुई। प्रतिदिन औसत 5 हजार सिलैण्डर दिए जा रहे हैं। जो भी बुकिंग हो रही है, हर हालत में उपभोक्ता को 24 घंटे में सिलैण्डर सप्लाई दी जा रही है। जिले की सभी गैस एजेंसियों में 13 मार्च शाम तक 11704 सिलैंडरों का स्टॉक था। 14 मार्च 8462 सिलैण्डर और आ गए हैं। इसके बाद कुल स्टॉक 20166 हो गया है। यानि कि इस समय फतेहाबाद में गैस सिलैंडरों का बफर स्टॉक पड़ा है। उपभोक्ताओं को पैनिक होने की जरूरत नहीं है। गाईडलाइन के अनुसार उपभोक्ताओं के घर तक सिलैंडर पहुंचाए जा रहे हैं।

-कौशल बूरा, जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक फतेहाबाद

कालाबाजारी करने वालों पर विभाग के छापे

मुख्यमंत्री के कड़े आदेशों के बाद जिले का खाद्य एवं आपूर्ति विभाग हरकत में आया है। विभाग की टीम ने शहर के बस स्टैंड से मिष्ठान भंडार और चाय की दुकान से दो घरेलू गैस सिलेंडर बरामद किए। जिन का इस्तेमाल कमर्शियल के तौर पर किया जा रहा था। वही फतेहाबाद के बीघड रोड पर स्थित एक नमकीन भंडार पर भी चेकिंग के दौरान घरेलू गैस का इस्तेमाल कमर्शियल में किया जा रहा था। इसके बाद तीन गैस सिलेंडरों को खाता एवं आपूर्ति विभाग की टीम ने जब्त कर लिया है। इस छापेमारी की सूचना मिलते ही दुकानदारों में हडकंप की स्थिति देखी गई और दुकानदारों ने घरेलू गैस सिलेंडरों को अंडरग्राऊंड कर दिया।

बिजली के चूल्हों व इलेक्ट्रिक केतली की बिक्री बढ़ी

गैस सिलेंडर की डिमांड और किल्लत को लेकर शहर में बिजली के चूल्हों और इलेक्ट्रिक केतली की बिक्री में बढ़ गई है। कारोबारी अनिल असीजा के अनुसार शहर में इलेक्ट्रिक सामान बेचने वालों की संख्या करीब दो दर्जन है। हर विक्रेता के पास पहले महीने में औसतन इंडक्शन और कैटल की खरीद करने वाले एक या दो ग्राहक आते थे। अब यह संख्या बढ़कर प्रतिदिन 10 तक पहुंच गई है। मतलब रोजाना की मांग 150 से 200 तक पहुंच गई है।

फतेहाबाद। गैस किल्लत को लेकर प्रदर्शन करते एनएसयूआई कार्यकर्ता।

सिलेंडर की किल्लत को लेकर एनएसयूआई ने किया प्रदर्शन

- कार्यकर्ताओं ने कहा-रसोई पर संकट खड़ा किया

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

जिले में रसोई गैस सिलेंडरों की बढ़ती किल्लत को लेकर एनएसयूआई फतेहाबाद के कार्यकर्ताओं ने रोष प्रदर्शन कर सरकार और संबंधित विभाग के खिलाफ नाराजगी जाहिर की। कार्यकर्ताओं ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से गैस सिलेंडरों की आपूर्ति सही ढंग से नहीं हो रही है, जिसके कारण आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने कहा कि गैस सिलेंडर की कमी के चलते कई परिवारों के सामने रसोई का संकट खड़ा हो गया है। लोगों को समय पर सिलेंडर नहीं मिल पा रहा, जिससे महिलाओं और परिवारों को काफी दिक्कतें झेलनी पड़ रही हैं।

समाधान की मांग

एनएसयूआई जिला अध्यक्ष अजय ढाका ने कहा कि यदि जल्द ही गैस सिलेंडरों की समस्या का समाधान नहीं किया गया तो संगठन की ओर से आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनता को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है और यदि इसमें लापरवाही बरती जाती है तो एनएसयूआई चुप नहीं बैठेगी।

गैस किल्लत को लेकर आप ने जताया रोष

सिरसा। आम आदमी पार्टी ने एलपीजी गैस किल्लत व बढ़े रेट को लेकर शनिवार को सिरसा में प्रदर्शन किया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। पार्टी के लोकसभा अध्यक्ष कुलदीप गदराना ने कहा कि हरियाणा में एलपीजी गैस की लगातार हो रही किल्लत ने आम जनता की जिंदगी को बेहद मुश्किल बना दिया है। गदराना ने कहा कि कमर्शियल गैस का तो बुरा हाल है ही घरों में भी खाना पकाने के लिए भी गैस सिलेंडर न मिलना, लंबी कतारों में खड़े होना, पुलिस की मौजूदगी में गैस सिलेंडर बांटना और बिना किसी सूचना के सप्लाई रुकना, एलपीजी गैस के सिलेंडर के रेट में 60 रुपये की व कमर्शियल सिलेंडर पर 114.50 रुपए की वृद्धि बीजेपी सरकार की पूरी तरह फेल विदेश नीति व लापरवाही और प्रशासनिक अव्यवस्था का जीता-जागता प्रमाण है।

खूनन माइनर में मिला युवती का शव

- सिर पर चोट के निशान, हत्या की आशंका

हरिभूमि न्यूज ⏭रतिया

क्षेत्र में शनिवार को सरदूलगढ़ रोड खूनन माइनर से करीब 25 वर्षीय अज्ञात महिला का सन्दिग्ध परिस्थितियों में शव बरामद हुआ। माइनर में शव होने की सूचना मिलते ही नागपुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पहचान के लिए नागरिक हॉस्पिटल में मोर्चरी हाउस में रखवाया गया है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में महिला के सिर पर चोट के निशान पाए गए हैं, जिससे आशंका जताई जा रही है कि उसकी हत्या कर शव नहर में फेंका गया हो सकता है। मामले के जांच अधिकारी सुरेश ने बताया कि शनिवार को गांव हुक्मवाली में कार्यरत ऑपरेटर मेवा सिंह ने सरदूलगढ़ रोड खूनन माइनर में एक युवती का शव तैरता हुआ देखा तो पुलिस को सूचना दी सूचना मिलने पर नागपुर चौकी से उनकी टीम मौके पर पहुंची और शव को माइनर से बाहर निकाला मृतक महिला की उम्र करीब 25 वर्ष दिखाई पड़ रही है व शव के सिर पर चोट के निशान है।

रतिया। शव मिलने के मामले में कार्रवाई करते पुलिस कर्मचारी। फोटो: हरिभूमि

धांधली के आरोपों में फंसी महिला सरपंच निलंबित

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

गली निर्माण में धांधली करने और सरकारी नियमों का उल्लंघन कर अवैध कब्जों को बढ़ावा देने के आरोपों में फंसी जिले के टोहाना खंड के गांव पारता की महिला सरपंच मनप्रीत कौर पर एक्शन लेते हुए उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने उन्हें तत्काल प्रभाव से पद से निलंबित कर दिया है। एसडीएम टोहाना की जांच रिपोर्ट में दोषी पाए जाने के बाद प्रशासन ने यह सख्त कदम उठाया है। मिली जानकारी अनुसार, गांव पारता निवासी कपिल ने गली निर्माण को लेकर डीसी फतेहाबाद को शिकायत दी थी। शिकायत के आधार पर मामले की जांच टोहाना के एसडीएम आकाश शर्मा को सौंपी गई। जांच अधिकारी ने 21 जनवरी 2026 को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें सरपंच मनप्रीत कौर को आरोपों में दोषी पाया गया। जांच में सामने आया कि जोहड़ की भूमि पर रास्ते का निर्माण किया गया था और फिरनी नंबर 138 पर निर्माण कार्य न करवाकर साथ लगती भूमि पर गली बनाकर कब्जों को बढ़ावा दिया गया।

- पंचायत की कार्रवाई में शामिल होने पर लगाई रोक

पारता की सरपंच मनप्रीत कौर।

डीसी ने आरोपों को बताया गंभीर

डीसी द्वारा जारी आदेशों में कहा गया है कि सरपंच मनप्रीत कौर के विरुद्ध लगाए गए आरोप गंभीर प्रवृति के है। ऐसे में वह हरियाणा पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 51 (1)(खी) में निहित शक्तियों के अंतर्गत मनप्रीत कौर, सरपंच को तुरंत प्रभाव से निलंबित करते हैं। उनके पंचायत की किसी भी कार्यवाही में भाग लेने पर रोक लगाई जाती है। खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी, टोहाना को हिदायत दी जाती है कि वह नियमानुसार निलंबित सरपंच से यदि कोई ग्राम पंचायत का अचल-चल सम्पति है तो उसको कब्जे में लेने सुनिश्चित करें तथा बहुमत वाले पंच को सौंपे।

सरपंच पति बोले: आगे कार्रवाई करेंगे

इस मामले में सरपंच मनप्रीत कौर के पति का कहना है कि जिला उपायुक्त द्वारा निलंबन का निर्णय लिया गया है और वे इस आदेश के विरुद्ध आगे की कार्रवाई करेंगे। शिकायतकर्ता कपिल ने कहा कि जांच में दोषी पाए जाने के बाद निलंबन उचित कदम है, लेकिन अब वे गली निर्माण में हुई अनियमितताओं की रिकवरी की मांग कर रहे हैं।

रतिया के व्यापारी से 1.63 करोड़ की ठगी

हरिभूमि न्यूज ⏭रतिया

शहर के एक व्यापारी ने तेलंगाना के हैदराबाद स्थित पेस्टीसाइड कंपनी नागार्जुन एनएसीएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड के एमडी, डायरेक्टर समेत 12 अधिकारियों व कर्मचारियों पर 1.68 लाख की धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई है। इस मामले में थाना शहर रतिया पुलिस ने जसबीर सिंह की शिकायत पर धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इन लोगों पर आरोप है कि रतिया के डीलर की फर्जी ईमेल आईडी तैयार की गई और उसका अवैध रूप से उपयोग किया गया। आरोपियों ने फर्जी बिल जारी किए और उसका माल उसे न भेजकर उसकी फर्म के नाम पर फर्जी बिल बनाकर अन्य दुकानदारों को बेच दिया। इन बिलों पर फर्जी मोहरें लगाई गई और फर्जी हस्ताक्षर किए गए।

फर्जी बिल बनाकर साइन किए

जसबीर के अनुसार, उसने बैलेंस स्टेटमेंट की मार्फत अपनी फर्म के रिकॉर्ड का मिलान किया तो पाया कि कंपनी कर्मचारियों द्वारा जो माल बाहर होलसेल में बेचा गया और कंपनी से जो बिल आया, उसके अंतर का जो क्रेडिट नोट आना था, वह फर्म के खाते में जमा नहीं किया गया। आरोप है कि कंपनी द्वारा जो बिल उसके नाम काटे गए, उस माल को आगे फर्जी बिल बनाकर और उसके फर्जी साइन करके बेचा हुआ था। इसकी कंपनी को शिकायत की तो कंपनी ने पाया कि कुछ बिल तो ऐसे कटे थे, जिनका माल ही सीएंडएफ के पास पड़ा है। जसबीर ने बताया है कि इसके बाद राशि काटकर उसकी तरफ 31 दिसंबर 2024 तक 2 करोड़ 25 लाख 64 हजार 70 रुपए बकाया की बैलेंस शीट भजी गई।उसने ऐतराज जताया कि उसकी फर्म की तरफ कंपनी की कोई राशि बकाया नहीं है बल्कि उसी के कंपनी में 31 मार्च 2024 तक इन्सेंटिव व क्रेडिट नोट आदि सभी के मिलाकर 1 करोड़ 63 लाख 45 हजार 231 रुपये बकाया निकलते हैं।

लगाया आरोप

जसबीर का आरोप है कि इसके बाद अधिकारी-कर्मचारी अपने टारगेट के अनुसार उससे बिना कोई बिल आर्डर लिए अपने आप ही उसकी फर्म के नाम बिल कटवा देते। मगर माल उसके पास नहीं आता था, सिर्फ बिल वॉट्सऐप पर भेजकर उसे बता देते थे कि आगे बिल किसके नाम से और किस रेट पर काटना है। उसके बाद उन फर्म से जो भी पेमेंट आती थी, वह इन लोगों के कहे अनुसार कंपनी के खाते में डाल दी जाती थी। जसबीर ने बताया कि 31 दिसंबर 2023 को कंपनी से उसकी फर्म के खाते की बैलेंस स्टेटमेंट प्राप्त हुई तो उससे 2 करोड़ 54 लाख 98 हजार 397 रुपए की मांग की गई। इसके बाद कंपनी द्वारा बैलेंस कनफर्मेशन नोटिस मिला तो उसने जवाब देते हुए कहा कि यह बकाया अमान्य है।

पानी बचाओ, 8,000 रुपये प्रति एकड़ पाओ

- जल संरक्षण को बढ़ावा दे रही 'मेरा पानी मेरी विरासत' योजना, किसानों को मिलेगी 8000 रुपये प्रति एकड़ की प्रोत्साहन राशि

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

हरियाणा सरकार द्वारा प्रदेश में जल संरक्षण को बढ़ावा देने और भूमिगत जल स्तर को सुधारने के उद्देश्य से कृषि विभाग की महत्वाकांक्षी योजना 'मेरा पानी मेरी विरासत' योजना चलाई जा रही है। इस योजना के माध्यम से किसानों को धान की पारंपरिक फसल के स्थान पर कम पानी वाली वैकल्पिक फसलें उगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य यह है कि धान जैसी अधिक पानी खपत करने वाली फसलों के स्थान पर ऐसी फसलें उगाई जाएं जिनमें पानी की कम आवश्यकता हो और किसानों को भी बेहतर आय प्राप्त हो सके। इस योजना के तहत जो किसान धान की फसल को छोड़कर उसकी जगह वैकल्पिक फसलों की बुवाई करेंगे, उन्हें सरकार की ओर से प्रति एकड़ 8000 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।

कृषि व्यवस्था अधिक टिकाऊ बन सकेगी

योजना के अंतर्गत किसान धान के स्थान पर कपास, बाजरा, मक्का, ज्वार, बागवानी फसलें, सब्जियां, खरीफ की दालें, खरीफ तिलहन जैसी वैकल्पिक फसलें उगा सकते हैं। इसके अलावा यदि किसान खेत को खाली भी छोड़ते हैं तो भी उन्हें इस योजना का लाभ मिल सकता है। सरकार का मानना है कि इन फसलों की खेती से पानी की खपत कम होगी और कृषि व्यवस्था अधिक टिकाऊ बन सकेगी।

अवैध बीज बेचने का आरोप, मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭चोपटा

क्षेत्र में अवैध रूप से बीटी कपास का बीज बेचने का मामला सामने आया है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की टीम की शिकायत पर पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कृषि एवं किसान कल्याण विभाग में कार्यरत गुणवत्ता नियंत्रण निरीक्षक अमित कुमार को सूचना मिली कि गांव जसाननिया में एक व्यक्ति द्वारा अवैध रूप से बीटी कपास का बीज बेचा जा रहा है। यह सूचना सतबीर सहारण नामक व्यक्ति ने मोबाइल फोन के माध्यम से दी थी। सूचना मिलने के बाद कृषि विभाग की टीम, जिसमें विषय विशेषज्ञ डॉ. राकेश कुमार भी शामिल थे, पुलिस चौकी इंचार्ज दीपक कुमार कागदाना पहुंची और मौके पर जांच की। जांच के दौरान वहां मुकेश कुमार पुत्र श्योकरण निवासी गांव कुम्हारिया जिला फतेहाबाद (हाल निवासी हंस कॉलोनी, फतेहाबाद) मौजूद मिला। मौके पर जांच के दौरान उसके पास से कपास के बीज के कुल 14 पैकेट बरामद हुए।

सिरसा। शिकायत दर्ज करवाते कृषि विभाग के अधिकारी। फोटो: हरिभूमि

सीड्स एक्ट के तहत दर्ज किया मामला

कृषि विभाग की टीम ने मौके से तीन पैकेट बीज के नमूने गुणवत्ता जांच के लिये, जबकि शेष पैकेटों को सील कर पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। बरामद बीज की अनुमानित कीमत करीब 12 हजार रुपये बताई गई है। इस मामले में आरोपी के खिलाफ सीड्स एक्ट- 1966 की धारा 7, सीड्स रूल्स 1968 की विभिन्न धाराओं तथा सीड्स कंट्रोल ऑर्डर 1983 के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

धर्म-कर्म भव्यता के साथ विचाराश्रम में संत सम्मेलन शुरू, आज उमड़ेगी श्रद्धालुओं की भीड़

स्वामी विचार आत्मानंद महाराज का 56वां महानिर्वाण दिवस आज

आरती से होगी शुरुआत, बाद में संत समागम, भजन संकीर्तन, रुहानी भजन एवं प्रवचन होंगे

- पंजाब हरियाणा, राजस्थान, यूपी, उत्तराखंड और हिमाचल से हजारों भक्त होंगे शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

शक्ति नगर स्थित श्री अद्वैत स्वरूप विचार आश्रम मंदिर के महान संत स्वामी विचार आत्मानंद महाराज के 56 वें महानिर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में दो दिवसीय संत सम्मेलन का शुभारंभ आज भव्यता के साथ होगा। मंदिर में सम्मेलन के दूसरे दिन के कार्यक्रम की शुरुआत परम पावन आरती के साथ होगी, जिसके बाद संत समागम, भजन संकीर्तन, रुहानी भजन एवं प्रवचन होंगे। समापन दिवस सोमवार को श्रद्धांजलि, भजन, प्रवचनों के साथ ध्वजारोहण एवं पूर्णाहुति होगी। सोमवार दोपहर एक बजे ध्वजारोहण किया जाएगा। स्वामी ध्यान प्रेमानंद और स्वामी विज्ञान प्रेमानंद महाराज के सानिध्य में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वामी विचार सेवानंद महाराज करेंगे। महानिर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में रविवार 15 मार्च को रात्रि 8 से 11 बजे तक भजन संध्या का आयोजन होगा। सम्मेलन के दौरान दिल्ली, पंजाब हरियाणा, राजस्थान, यूपी, उत्तराखंड और हिमाचल से हजारों श्रद्धालु शामिल होंगे। कई अन्य राज्यों के प्रसिद्ध भजन एवं कव्वाली गायक अपनी प्रस्तुति देंगे।

फतेहाबाद। श्री विचार आश्रम मंदिर।

मंदिर देता है प्रेम, भक्ति और एकजुटता का संदेश

विचार स्वामी ध्यान प्रेमानंद महाराज ने बताया कि विचार आश्रम मंदिर दिव्य एवं भव्य स्वरूप को लिए हुए पवित्र तपो भूमि है, जिसमें स्वामी विचार आत्मानंद महाराज का पावन समाधि स्थल है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1967 में स्वामी विचार आत्मानंद जन कल्याणार्थ भ्रमण करते हुए फतेहाबाद पधारे थे। उस समय यहां रेत का टीला हुआ करता था। स्वामी जी ने भविष्यवाणी की थी कि यहां भगवान शंकर का पदार्पण हुआ था और एक दिन यहां विशाल धार्मिक स्थान बनेगा। यहां की तपो भूमि की महत्ता को समझते हुए यहीं के हो गए। उन्होंने कहा कि मंदिर में आने वाले हर श्रद्धालुओं को सामाजिकता के साथ-साथ प्रेम, भक्ति एवं एकजुटता का संदेश नाम शब्द के रूप में दिया जाता है।

दो हफ्तों से कच्चे तेल के झटकों का सामना कर रहे दुनिया के बाजार

गिरता बाजार दे रहा निवेश का मौका सावधानी के साथ उठा सकते हैं फायदा

निवेशकों की संपत्ति में लगभग 34 लाख करोड़ की कमी आई

भारतीय इक्विटी बाजारों को पिछले दो हफ्तों से कच्चे तेल के झटके (क्रूड शॉक) का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिका-इजराइल-ईरान युद्ध और बढ़ती तेल कीमतों ने वैश्विक निवेशकों को डरा दिया है और सेंसेक्स तथा निफ्टी भी इस बिकवाली से अछूते नहीं रहे हैं। संघर्ष शुरू होने के बाद से सिर्फ दो हफ्तों और नौ ट्रेडिंग सत्रों में निवेशकों की संपत्ति में लगभग 34 लाख करोड़ रुपये की कमी आ गई। युद्ध खत्म होने के अभी कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं, इसलिए यह कहना मुश्किल है कि दलाल स्ट्रीट पर चल रही यह गिरावट कब और कहां थमेगी। 27 फरवरी को बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण 46,325,200.41 करोड़ रुपये था। 13 मार्च 2025 तक यह घटकर 42,939,960.29 करोड़ रुपये रह गया। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें (एक समय यह लगभग 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थीं), वैश्विक बाजारों में लगातार बिकवाली, विदेशी निवेशकों द्वारा लगातार पूंजी निकासी और भारतीय रुपये की कमजोरी इन सभी ने बाजार की धारणा को कमजोर किया है। निफ्टी-50 ने कई वर्षों में अपनी सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट दर्ज की है। होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने का असर सिर्फ तेल और एलपीजी की आपूर्ति पर ही नहीं, बल्कि अन्य व्यापारिक गतिविधियों पर भी पड़ रहा है, जिसका प्रभाव भारत के कई क्षेत्रों पर पड़ सकता है। ऐसे में सवाल उठता है कि निवेशकों को क्या करना चाहिए—क्या उन्हें शेयर बाजार में निवेश बनाए रखना चाहिए?

शेयर बाजार की स्थिति : क्या दीर्घकालिक विकास की कहानी बरकरार है?

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि भू-राजनीतिक तनाव के समय सामान्य गिरावट भी वास्तविकता से कहीं ज्यादा गंभीर दिखाई दे सकती है। उनका मानना है कि भारतीय निवेशकों के नजरिये से भारतीय शेयर बाजार की दीर्घकालिक संभावनाएं अब भी सकारात्मक हैं। वे यह भी बताते हैं कि वैश्विक संकटों के बीच भी भारत की विकास दर मजबूत बनी हुई है। मूडीज एनालिटिक्स के अनुसार हालिया शिखरों से पिछले 12 महीनों की गिरावट को देखें तो चीन और भारत दोनों में गिरावट अपेक्षाकृत सीमित रही है और यह सामान्य बाजार उतार-चढ़ाव के अनुरूप है। रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि दोनों अर्थव्यवस्थाएं खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) देशों से बड़ी मात्रा में तेल आयात करती हैं, लेकिन घरेलू खपत में ऊर्जा आयात का हिस्सा अपेक्षाकृत कम है, जिससे तेल कीमतों के झटकों के प्रति उनकी संवेदनशीलता सीमित रहती है। इसके अलावा शेयर बाजारों में विदेशी निवेशकों की भागीदारी भी अपेक्षाकृत कम है और चीन में पूंजी नियंत्रण भी अस्थिरता को सीमित करते हैं।

कॉरपोरेट आय का दृष्टिकोण मजबूत

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के रिसर्च प्रमुख विनोद नायर का कहना है कि भारत की दीर्घकालिक विकास और निवेश की कहानी अभी भी मजबूत है। उनके अनुसार बढ़ती घरेलू खपत, निरंतर बुनियादी ढांचा निवेश, व्यापक डिजिटल परिवर्तन और कॉरपोरेट बैलेंस शीट में सुधार जैसे संरचनात्मक कारक बाजार के सकारात्मक दृष्टिकोण को समर्थन देते हैं। इसके साथ ही विनिर्माण को बढ़ावा देने वाली नीतियां, ऊर्जा संक्रमण, कर सुधार, बुनियादी ढांचा विकास और निजी पूंजी निवेश में बढ़ोतरी भी इस दृष्टिकोण को मजबूत करती है। एक प्रमुख धारणा यह भी है कि मौजूदा अमेरिका-ईरान युद्ध लंबे समय तक नहीं चलेगा। हालांकि इससे बाजार मूल्यांकन दीर्घकालिक औसत से नीचे आ गया है, लेकिन आने वाले महीनों में वैल्यू-बायिंग के कारण तेज उछाल देखने को मिल सकता है। वित्त वर्ष 2027 के लिए कॉरपोरेट आय का दृष्टिकोण भी मजबूत माना जा रहा है।

तेज गिरावट से अब वैल्यूएशन आकर्षक

एसबीआई सिक्योरिटीज में फंडामेंटल रिसर्च प्रमुख सनी अग्रवाल का कहना है कि इतिहास बताता है कि बाजार हमेशा चिंता की दीवार चढ़ता है। बाजार ने कई युद्ध, वैश्विक आर्थिक संकट और महामारी जैसी स्थितियां देखी हैं और हर बार नए उच्च स्तर तक पहुंचा है। ऐतिहासिक आंकड़े बताते हैं कि लगभग 17 महीने तक ठहराव के बाद अगले 6 महीने से 3 साल के दौरान इक्विटी ने शानदार रिटर्न दिए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि पिछले कुछ महीनों में बाजार में आई तेज गिरावट के कारण अब वैल्यूएशन आकर्षक हो गए हैं। इनक्रेड मनी के सीईओ विजय कुप्पा बताते हैं कि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की भारी बिकवाली के कारण भारतीय बाजार प्रभावित हुआ है।

निवेश मंत्रा | बिजनेस डेस्क

18 प्रतिशत तक की गिरावट सामान्य

आनंद राठी वेल्थ के कार्यकारी निदेशक चिराग मुनी के अनुसार अगले पांच वर्षों में भारत की आर्थिक बुनियाद मजबूत बनी रहने की संभावना है। वास्तविक जीडीपी वृद्धि 6–7 प्रतिशत के आसपास रहने और मुद्रास्फीति 4–5 प्रतिशत के बीच रहने की उम्मीद है, जिससे नाममात्र जीडीपी वृद्धि लगभग 11–12 प्रतिशत रह सकती है। इससे दीर्घकाल में कॉरपोरेट आय और शेयर बाजार को समर्थन मिलेगा। वे बताते हैं कि 2001 के बाद से लगभग 18 प्रतिशत तक की गिरावट सामान्य रही है और बाजार आम तौर पर एक साल में इससे उबर जाता है। भू-राजनीतिक तनाव के दौरान भी निफ्टी में 5–7 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिलती है और अधिकांश मामलों में एक महीने के भीतर बाजार संभल जाता है। घरेलू निवेशकों की भागीदारी भी बाजार को स्थिर रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। 2025 में घरेलू संस्थागत निवेशकों ने लगभग 7.88 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया, जबकि विदेशी निवेशकों ने करीब 1.66 लाख करोड़ रुपये की बिकवाली की। मार्च 2026 में भी स्मॉल-कैप फंड्स में लगभग 700 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया। इससे पता चलता है कि निवेशक घबराहट में फैसले नहीं ले रहे हैं।

निवेशकों को क्या करना चाहिए?

विशेषज्ञों का मानना है कि मध्य-पूर्व युद्ध और ऊर्जा कीमतों पर इसका असर अगले कुछ हफ्तों में कम हो सकता है। एसबीआई सिक्योरिटीज के अनुसार निवेशकों को इस अवसर का उपयोग दीर्घकालिक निवेश के लिए करना चाहिए और मजबूत बुनियादी कंपनियों में निवेश बढ़ाना चाहिए। जिन क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन की संभावना है उनमें बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं (बीएफएसआई), ऑटो और ऑटो एंसिलरी, कंज्यूमर डिस्क्रिशनरी, न्यू-एज बिजनेस तथा पावर सेक्टर शामिल हैं। विजय कुप्पा का कहना है कि स्मॉल और मिडकैप शेयरों में अच्छी कीमत और समय के आधार पर सुधार हो चुका है। निवेशकों को हर गिरावट पर धीरे-धीरे निवेश बढ़ाना चाहिए। जो निवेशक सीधे शेयरों में निवेश करने में सहज नहीं हैं, वे ईटीएफ या म्यूचुअल फंड के माध्यम से निवेश कर सकते हैं। विशेषज्ञ संतुलित पोर्टफोलियो बनाए रखने की सलाह देते हैं। चिराग मुनी के अनुसार दीर्घकालिक निवेशकों को अनुशासन बनाए रखना चाहिए और निवेश रणनीति से विचलित नहीं होना चाहिए। उनके अनुसार पोर्टफोलियो में लगभग 80 प्रतिशत निवेश इक्विटी और 20 प्रतिशत डेट में रखना उचित हो सकता है। इक्विटी हिस्से में 55 प्रतिशत लार्ज-कैप और बाकी मिड व स्मॉल-कैप में निवेश किया जा सकता है। 10–15 प्रतिशत की बाजार गिरावट को अतिरिक्त निवेश के अवसर के रूप में देखा जा सकता है, जिससे निवेशक भविष्य में होने वाली रिकवरी का लाभ उठा सकें। हालांकि मिराए एसेट शेयरखान के रिसर्च विश्लेषक थॉमस वी. अब्राहम थोड़ी सावधानी बरतने की सलाह देते हैं। उनके अनुसार यदि संकट लंबा खिंचता है तो यह कॉरपोरेट मुनाफे पर दबाव डाल सकता है, पूंजी निवेश को टाल सकता है और विनिर्माण, फार्मा तथा हॉस्पिटैलिटी जैसे क्षेत्रों में आय वृद्धि को सीमित कर सकता है। उनकी सलाह है कि निवेशक मौजूदा निवेश बनाए रखें, लेकिन पोर्टफोलियो को अधिक स्थिरता के लिए पुनर्संतुलित करें। नई पूंजी को चरणबद्ध तरीके से मजबूत कंपनियों में लगाया जा सकता है।

ऐसा रख सकते हैं पोर्टफोलियो

- रक्षात्मक निवेश (60–70%): फार्मा और एफएमसीजी जैसे सेक्टर
- अवसरवादी निवेश (20–30%): बड़े कैप शेयर जैसे रिलायंस इंडस्ट्रीज में निवेश
- हेज (लगभग 10%): सोना, गोल्ड ईटीएफ, सॉवरेन बॉन्ड या 3–6 महीने की फिक्स्ड डिपॉजिट
- इस मिश्रण से अस्थिर दौर में स्थिरता बनाए रखते हुए अवसरों का लाभ उठाया जा सकता है।

सरकारी बैंकों की स्पेशल एफडी दे रही अच्छा रिटर्न

बिजनेस डेस्क

सुरक्षित निवेश की तलाश करने वाले लोगों के लिए इस समय सरकारी बैंकों की विशेष सावधि जमा (एफडी) योजनाएं आकर्षक विकल्प बनकर सामने आई हैं। देश के कई सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने सीमित अवधि के लिए विशेष सावधि जमा योजनाएं शुरू की हैं, जिनमें सामान्य सावधि जमा की तुलना में अधिक ब्याज दर दी जा रही है। इन योजनाओं की अवधि भी अपेक्षाकृत कम रखी गई है, जिससे निवेशकों को कम समय में बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना रहती है। बैंक समय-समय पर ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए ऐसी विशेष योजनाएं लाते हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य बचत को बढ़ावा देना और बैंकिंग प्रणाली में निवेश को प्रोत्साहित करना होता है। वर्तमान में कई सरकारी बैंक 400 दिन से लेकर 666 दिन तक की अवधि वाली विशेष सावधि जमा योजनाएं चला रहे हैं, जिनमें सामान्य निवेशकों को लगभग 6.45 प्रतिशत से लेकर 6.75 प्रतिशत तक ब्याज दिया जा रहा है।

पंजाब एंड सिंध बैंक दे रहा सबसे अधिक ब्याज

इस समय सरकारी बैंकों में सबसे अधिक ब्याज दर पंजाब एंड सिंध बैंक की विशेष सावधि जमा योजना पर मिल रही है। यह बैंक 666 दिन की अवधि वाली विशेष एफडी पर लगभग 6.75 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दे रहा है। सुरक्षित निवेश के साथ बेहतर ब्याज दर की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए यह योजना आकर्षक मानी जा रही है। अन्य सरकारी बैंकों की विशेष सावधि जमा योजनाएं देश के अन्य कई सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक भी अपनी विशेष एफडी योजनाओं के माध्यम से निवेशकों को आकर्षित कर रहे हैं।

किसी बैंक में कितनी ब्याज दर

- बैंक ऑफ महाराष्ट्र- 400 दिन की एफडी पर 6.65 प्रतिशत ब्याज
- बैंक ऑफ इंडिया- 450 दिन की एफडी पर 6.60 प्रतिशत ब्याज
- इंडियन बैंक- 444 दिन की एफडी पर 6.60 प्रतिशत ब्याज
- इंडियन ओवरसीज बैंक- 444 दिन की एफडी पर 6.60 प्रतिशत ब्याज
- पंजाब नेशनल बैंक- 444 दिन की एफडी पर 6.60 प्रतिशत ब्याज
- यूनियन बैंक ऑफ इंडिया- 444 दिन की एफडी पर 6.60 प्रतिशत ब्याज
- केनरा बैंक- 555 दिन की एफडी पर 6.60 प्रतिशत ब्याज
- सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया- 2222 और 3333 दिन की एफडी पर 6.50 प्रतिशत ब्याज
- बैंक ऑफ बड़ौदा- 444 दिन की एफडी पर 6.45 प्रतिशत ब्याज
- एसबीआई - 444 दिन की एफडी पर 6.45 प्रतिशत ब्याज

सीनियर सिटीजन को यह मिल रहा

- बैंक ऑफ महाराष्ट्र- 400 दिन की एफडी पर 7.15 प्रतिशत ब्याज
- बैंक ऑफ इंडिया- 450 दिन की एफडी पर 7.10 प्रतिशत ब्याज
- इंडियन बैंक- 444 दिन की एफडी पर 7.10 प्रतिशत ब्याज
- इंडियन ओवरसीज बैंक- 444 दिन की एफडी पर 7.10 प्रतिशत ब्याज
- पंजाब नेशनल बैंक- 444 दिन की एफडी पर 7.10 प्रतिशत ब्याज
- यूनियन बैंक ऑफ इंडिया- 444 दिन की एफडी पर 7.10 प्रतिशत ब्याज
- सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया- 2222 और 3333 दिन की एफडी पर 7 प्रतिशत ब्याज
- बैंक ऑफ बड़ौदा- 444 दिन की एफडी पर 7 प्रतिशत ब्याज
- एसबीआई- 444 दिन की एफडी पर 7.05 प्रतिशत ब्याज

इसलिए लोकप्रिय हो रही

निवेश विशेषज्ञों के अनुसार, हाल के समय में सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ी है। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव और अन्य जोखिमों के कारण कई निवेशक अपने पैसे को सुरक्षित विकल्पों में लगाना पसंद कर रहे हैं। ऐसे में सरकारी बैंकों की एफडी योजनाएं भरोसेमंद मानी जाती हैं।

सैलरी बढ़ने के साथ बढ़ रहे खर्चे निवेश नहीं हो पा रहा तो यह करें

सही योजना और अनुशासन से ही बढ़ेगी बचत और निवेश

बिजनेस डेस्क

आमतौर पर माना जाता है कि जब किसी व्यक्ति की आय बढ़ती है तो उसकी बचत और निवेश भी बढ़ने लगते हैं। लेकिन वास्तविकता अक्सर इससे अलग होती है। कई लोग सैलरी बढ़ने के बावजूद बचत नहीं कर पाते और निवेश भी नहीं कर पाते। इसका मुख्य कारण यह होता है कि आय बढ़ने के साथ-साथ खर्च भी तेजी से बढ़ने लगते हैं। वित्तीय भाषा में इस स्थिति को लाइफस्टाइल इंफ्लेशन कहा जाता है। इसका अर्थ है कि जैसे-जैसे व्यक्ति की कमाई बढ़ती है, वैसे-वैसे उसका रहन-सहन और खर्च का स्तर भी बढ़ जाता है। यदि समय रहते इस प्रवृत्ति पर नियंत्रण नहीं किया जाए तो अतिरिक्त आय का लाभ बचत और निवेश के बजाय खर्चों में ही समाप्त हो जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि लोग अपनी बढ़ती आय के साथ खर्चों पर नियंत्रण रखें और व्यवस्थित तरीके से निवेश शुरू करें तो वे भविष्य के लिए मजबूत आर्थिक आधार तैयार कर सकते हैं।

छोटे-छोटे बढ़ते खर्चों पर रखें नजर

लाइफस्टाइल इंफ्लेशन अचानक नहीं बढ़ता, बल्कि यह धीरे-धीरे छोटे-छोटे खर्चों से शुरू होता है। उदाहरण के लिए, सैलरी बढ़ने के बाद कई लोग पहले की तुलना में अधिक कैब का इस्तेमाल करने लगते हैं, सामान्य ब्रांड की जगह महंगे ब्रांड खरीदने लगते हैं या फिर बार-बार बाहर खाना और घूमना शुरू कर देते हैं। इसके अलावा कई लोग प्रीमियम जिम, ऑनलाइन मनोरंजन प्लेटफॉर्म या अन्य डिजिटल सेवाओं की कई सदस्यताएं भी ले लेते हैं। शुरुआत में यह खर्च बहुत छोटे लगते हैं, लेकिन समय के साथ यह आपकी मासिक आय का बड़ा हिस्सा खर्च करने लगते हैं। इसलिए जरूरी है कि सैलरी बढ़ने के बाद भी अपने खर्चों पर नियमित नजर रखें और अनावश्यक खर्चों को सीमित करने की कोशिश करें।

खर्चों पर नियंत्रण और बजट से ही बनेगी मजबूत आर्थिक स्थिति

वेतन वृद्धि सही नजरिए से देखें

जब आपकी सैलरी बढ़े तो सबसे पहले यह तय करें कि उस अतिरिक्त आय का कितना हिस्सा खर्च करना है और कितना हिस्सा बचत या निवेश में लगाना है। कई वित्तीय विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि सैलरी बढ़ने पर कम से कम आधा हिस्सा निवेश के लिए अलग कर देना चाहिए। इससे एक ओर आपकी बचत और निवेश लगातार बढ़ता रहेगा और दूसरी ओर आप अपनी आय में वृद्धि का आनंद भी ले पाएंगे। यदि आप अपनी आय बढ़ने के साथ बचत और निवेश भी बढ़ाते हैं तो लंबे समय में बड़ी पूंजी तैयार कर सकते हैं।

स्थायी खर्च करने से पहले सोचें

कुछ खर्च ऐसे होते हैं जो लंबे समय के लिए आपकी आर्थिक जिम्मेदारी बन जाते हैं। उदाहरण के लिए बड़ा घर किराए पर लेना, कार खरीदने के लिए कर्ज लेना या फिर महंगे क्लब और सेवाओं की सदस्यता लेना। ऐसे फैसले लेने से पहले यह जरूर सोचें कि यदि भविष्य में आपकी सैलरी कुछ समय तक नहीं बढ़ती या आय में कमी आ जाती है, तो क्या आप इन खर्चों को आसानी से संभाल पाएंगे। वित्तीय योजना बनाते समय यह ध्यान रखना जरूरी है कि आपकी आय का बड़ा हिस्सा स्थायी खर्चों में न फंस जाए। इससे आर्थिक दबाव बढ़ सकता है।

जीवनशैली को धीरे-धीरे सुधारें

सैलरी बढ़ने का मतलब यह नहीं है कि आप तुरंत अपनी पूरी जीवनशैली बदल दें। बेहतर तरीका यह है कि धीरे-धीरे और सोच-समझकर अपने जीवन स्तर में सुधार करें। उदाहरण के लिए, सबसे पहले स्वास्थ्य बीमा, आपातकालीन फंड और दीर्घकालीन निवेश जैसे जरूरी वित्तीय कदम उठाएं। इसके बाद ही अन्य खर्चों पर ध्यान दें। धीरे-धीरे जीवनशैली में बदलाव करने से आपकी आय और खर्च के बीच संतुलन बना रहता है और भविष्य के लिए मजबूत बचत भी तैयार होती है।

बजट बनाना भी जरूरी

लाइफस्टाइल इंफ्लेशन को नियंत्रित करने के लिए मासिक बजट बनाना भी बहुत जरूरी है। यदि आप अपनी आय और खर्च का रिकॉर्ड रखते हैं तो आपको आसानी से पता चल जाता है कि आपका पैसा कहां खर्च हो रहा है। बजट बनाने से आप यह तय कर सकते हैं कि कितनी राशि जरूरी खर्चों पर जाएगी, कितनी बचत में और कितनी निवेश में। इससे अनावश्यक खर्चों को कम करना आसान हो जाता है।

निवेश की आदत बनाएं : विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश को खर्च की तरह ही एक नियमित आदत बना लेना चाहिए। जैसे ही सैलरी आपके खाते में आए, उसी समय कुछ राशि निवेश के लिए अलग कर दें। यदि निवेश को प्राथमिकता दी जाए तो धीरे-धीरे बड़ी पूंजी तैयार हो सकती है और भविष्य में आर्थिक सुरक्षा भी मिलती है।

बाजार की अनिश्चितता में फ्लेक्सी कैप फंड बने निवेशकों की पसंद

भू-राजनीतिक तनाव और उतार-चढ़ाव के दौर में रणनीतिक परिसंपत्ति आवंटन से बेहतर रिटर्न की उम्मीद

वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और शेयर बाजार में बढ़ती अस्थिरता के बीच निवेशकों के लिए फ्लेक्सी-कैप फंड एक समझदारी भरा विकल्प बनकर उभर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार में उतार-चढ़ाव के दौर में ऐसे फंड निवेशकों को बेहतर संतुलन और दीर्घकालीन रिटर्न देने में मदद कर सकते हैं। फ्लेक्सी-कैप फंड की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इनमें निवेश का वितरण बाजार पूंजीकरण के आधार पर तय नहीं होता। यानी फंड प्रबंधक अपनी रणनीति के अनुसार बड़ी, मझोली और छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश का अनुपात बदल सकते हैं। इससे बाजार की स्थिति के अनुसार जोखिम को नियंत्रित करने और अवसरों का लाभ उठाने में मदद मिलती है। फ्लेक्सी-कैप फंड का यही लचीलापन बाजार के विभिन्न चरणों में निवेशकों के लिए उपयोगी साबित होता है। उदाहरण के तौर पर, जब बाजार में अधिक अस्थिरता होती है तो फंड प्रबंधक अपेक्षाकृत स्थिर बड़ी कंपनियों के शेयरों में निवेश बढ़ा सकते हैं। वहीं जब बाजार में तेजी और विकास की संभावनाएं बढ़ती हैं, तब मझोली और छोटी कंपनियों में निवेश का अनुपात बढ़ाया जा सकता है। इस रणनीति के कारण फंड प्रबंधक बाजार में बदलती परिस्थितियों के अनुसार अपने पोर्टफोलियो को संतुलित कर सकते हैं। इससे निवेशकों को लंबे समय में स्थिर और प्रतिस्पर्धी रिटर्न मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

बेहतर रिटर्न का रिकॉर्ड

आंकड़ों के अनुसार फ्लेक्सी-कैप फंड ने अन्य विविधीकृत इक्विटी फंड की तुलना में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। पिछले तीन वर्षों में इन फंडों ने औसतन लगभग 17 प्रतिशत वार्षिक चक्रवृद्धि वृद्धि दर का रिटर्न दिया है। वहीं पिछले पांच वर्षों में इनका औसत रिटर्न लगभग 14.2 प्रतिशत रहा है। इसी कारण निवेशकों का भरोसा भी इन फंडों पर बढ़ रहा है। फरवरी 2026 में फ्लेक्सी-कैप फंड में करीब 6,925 करोड़ रुपये का निवेश आया, जो इक्विटी म्यूचुअल फंड की विभिन्न श्रेणियों में सबसे अधिक रहा। इससे यह संकेत मिलता है कि निवेशक शेयर बाजार में निवेश तो जारी रखना चाहते हैं, लेकिन वे ऐसी श्रेणी को प्राथमिकता दे रहे हैं जहां फंड प्रबंधकों को निवेश में लचीलापन मिलता हो।

अस्थिर बाजार में रणनीतिक विकल्प

फ्लेक्सी-कैप फंड निवेशकों के लिए इक्विटी पोर्टफोलियो का मुख्य हिस्सा बन सकते हैं। यदि निवेशक लंबे समय के लिए नियमित निवेश योजना के माध्यम से निवेश करते हैं तो वे बाजार के उतार-चढ़ाव के बावजूद चक्रवृद्धि लाभ का फायदा उठा सकते हैं। साल 2025 में बाजार में देखी गई अस्थिरता के दौरान कई फ्लेक्सी-कैप फंडों ने अपने निवेश का झुकाव अपेक्षाकृत स्थिर बड़ी कंपनियों की ओर बढ़ा दिया था। साथ ही उन्होंने लगभग 15 से 20 प्रतिशत निवेश मझोली कंपनियों में बनाए रखा और अधिक जोखिम वाले छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश को सीमित कर दिया था।

निवेश से पहले रखें ध्यान

फ्लेक्सी-कैप फंड में निवेश करने से पहले निवेशकों को कुछ महत्वपूर्ण बातों पर जरूर ध्यान देना चाहिए। सबसे पहले फंड प्रबंधक के पिछले प्रदर्शन और बाजार के विभिन्न चरणों में उनकी रणनीति को समझना जरूरी है। इसके अलावा यह भी देखना चाहिए कि फंड बड़ी, मझोली और छोटी कंपनियों में निवेश का संतुलन किस प्रकार बनाता है। निवेशकों को फंड के जोखिम प्रबंधन, खर्च अनुपात और पोर्टफोलियो के केंद्रीकरण जैसे पहलुओं का भी मूल्यांकन करना चाहिए। फ्लेक्सी-कैप फंड में निवेश करते समय फंड प्रबंधक की यह क्षमता बहुत महत्वपूर्ण होती है कि वह विभिन्न क्षेत्रों में मूल्यांकन के अवसरों की पहचान कैसे करता है।

बाजार में लगातार बदलाव

विशेषज्ञों का कहना है कि भू-राजनीतिक तनाव के कारण शेयर बाजार में अक्सर तेज उतार-चढ़ाव और विभिन्न क्षेत्रों में निवेश का रुझान बदलता रहता है। लंबे समय में बाजार के अलग-अलग हिस्से अलग समय पर बेहतर प्रदर्शन करते हैं। ऐसी परिस्थितियों में फ्लेक्सी-कैप फंड इन बदलावों का लाभ उठाने के लिए बेहतर स्थिति में होते हैं। यह निवेशकों के लिए फ्लेक्सी-कैप फंड व्यापक बाजार में निवेश का एक सुविधाजनक माध्यम हैं, क्योंकि इससे निवेश किसी एक क्षेत्र या श्रेणी तक सीमित नहीं रहता।

निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प

विशेषज्ञों का मानना है कि फ्लेक्सी-कैप फंड उन निवेशकों के लिए अधिक उपयुक्त हैं जिनका निवेश दृष्टिकोण लंबी अवधि का है और जो अल्पकालिक बाजार उतार-चढ़ाव को सहन कर सकते हैं। यदि निवेशक नियमित और अनुशासित तरीके से निवेश करते हैं तो समय के साथ उन्हें बेहतर रिटर्न मिल सकता है। बदलते आर्थिक माहौल और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच फ्लेक्सी-कैप फंड निवेशकों के लिए ऐसा विकल्प बनकर उभर रहे हैं, जो जोखिम और अवसर के बीच संतुलन बनाते हुए दीर्घकालीन संपत्ति निर्माण में सहायक हो सकते हैं।

अलर्ट | वरिष्ठ नागरिक आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनें, ताकि बाद में पछताना न पड़े

बुजुर्गावस्था में अपनी आर्थिक स्थिति कैसे मजबूत करें समय रहते सही निवेश और आय के स्थायी स्रोत बनाएं

आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्लान तैयार कर निवेश करें, इससे आसानी होगी

बिजनेस डेस्क

बढ़ती उम्र जीवन का स्वाभाविक चरण है, लेकिन इसके साथ आने वाली आर्थिक चुनौतियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जब तक व्यक्ति युवा होता है, तब तक वह शारीरिक और मानसिक श्रम के माध्यम से नियमित आय अर्जित कर सकता है। किंतु 60 वर्ष की आयु के बाद शारीरिक क्षमता धीरे-धीरे कम होने लगती है और आय के अवसर सीमित हो जाते हैं। इसके साथ ही स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ने लगती हैं, जिससे खर्च भी अधिक हो जाता है। ऐसे में बुजुर्गावस्था में आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समय रहते निवेश की योजना बनाना बेहद आवश्यक हो जाता है। भारतीय समाज में परंपरागत रूप से यह माना जाता रहा है कि वृद्धावस्था में परिवार ही सबसे बड़ा सहारा होता है। लेकिन बदलती सामाजिक परिस्थितियों, छोटे होते परिवारों और बढ़ती जीवनशैली की लागत के कारण केवल पारिवारिक सहारे पर निर्भर रहना अब व्यावहारिक नहीं रह गया है। इसलिए यह जरूरी है कि व्यक्ति अपने कार्यकाल के दौरान ही ऐसी वित्तीय योजना बनाए जिससे रिटायरमेंट के बाद भी नियमित आय बनी रहे और उसे आर्थिक रूप से किसी पर निर्भर न रहना पड़े।

क्यों जरूरी है रिटायरमेंट प्लानिंग

- युवावस्था में व्यक्ति शारीरिक और मानसिक श्रम से आय अर्जित कर सकता है।
- 60 वर्ष के बाद शारीरिक क्षमता धीरे-धीरे कम होने लगती है।
- बढ़ती उम्र के साथ स्वास्थ्य पर खर्च भी बढ़ता है।
- इसलिए बुजुर्गावस्था में नियमित आय का स्रोत होना बेहद जरूरी है।

पेंशन और सरकारी योजनाएं

सरकारी सेवा या कुछ निजी संस्थानों में कार्यरत कर्मचारियों को मासिक पेंशन मिलती है। कर्मचारी पेंशन योजना 1995 (ईपीएस) संगठित क्षेत्र के कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद आय प्रदान करती है। अटल पेंशन योजना (एपीवाई) असंगठित क्षेत्र के कामगारों के लिए है, जिसमें 60 वर्ष के बाद 1000 रुपये से 5000 रुपये तक मासिक पेंशन मिलती है।

वरिष्ठ नागरिक बचत योजना

- 60 वर्ष से अधिक आयु के लोग निवेश कर सकते हैं।
- ब्याज दर लगभग 8.2% वार्षिक।
- न्यूनतम निवेश 1000 रुपये और अधिकतम 30 लाख रुपये।
- अवधि 5 वर्ष, जिसे आगे 3 वर्ष बढ़ाया जा सकता है।
- ब्याज का भुगतान हर तिमाही किया जाता है।
- आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत कर छूट का लाभ मिलता है।

डाकघर मासिक आय योजना

- नियमित मासिक आय का सुरक्षित साधन
- ब्याज दर लगभग 7.4%।
- एकल खाते में अधिकतम निवेश 9 लाख रुपये।
- संयुक्त खाते में 15 लाख रुपये तक निवेश संभव।
- लॉक-इन अवधि 5 वर्ष।
- ब्याज का भुगतान हर महीने किया जाता है।

सिस्टमैटिक विड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी)

- एकमुश्त निवेश के बाद हर महीने या तिमाही निश्चित राशि निकाल सकते हैं।
- केवल कुछ यूनिट्स बिकती हैं, बाकी निवेश बढ़ता रहता है।
- यह उन सेवानिवृत्त लोगों के लिए उपयोगी है जो पूंजी को सुरक्षित रखते हुए आय चाहते हैं।

बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट

- वरिष्ठ नागरिकों को 6% से 8% तक ब्याज मिलता है।
- ब्याज दर बैंक और अवधि के अनुसार अलग-अलग हो सकती है।
- यह एक सुरक्षित और कम जोखिम वाला निवेश माना जाता है।

संपत्ति से आय के विकल्प

- मकान, दुकान या जमीन किराये पर देकर नियमित आय प्राप्त की जा सकती है।
- अनुभव का उपयोग कर ट्यूशन, लेखन, सलाहकार कार्य किया जा सकता है।
- किराने की दुकान
- घर का बना खाद्य पदार्थ बेचना
- ट्यूशन या कोचिंग
- ब्लॉगिंग या ऑनलाइन काम

50 लाख निवेश करने पर संभावित आय

योजना	निवेश राशि	अनु. ब्याज	मा.आय
व. नागरिक बचत योजना	15,00,000	8%	10,000
डाकघर मासिक आय	9,00,000	7.4%	5,500
बैंक मियादी जमा	16,00,000	7%	9,300
अन्य पेंशन योजना	10,00,000	7.4%	6,000

कुल अनुमानित मासिक आय : लगभग 30,800

एक ही जगह निवेश न करें

रिटायरमेंट के बाद पूरी बचत एक ही जगह निवेश न करें। अलग-अलग योजनाओं में निवेश करने से जोखिम कम और आय स्थिर रहती है। यदि व्यक्ति बचत, निवेश और छोटे काम जारी रखे तो बुजुर्गावस्था में आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर रह सकता है। इससे आपको किसी का मुंह नहीं ताकना पड़ेगा और बुढ़ापा आराम से कटेगा।

खबर संक्षेप

वाहन दुर्घटना के मामले में चालक गिरफ्तार

फतेहाबाद। टोहाना में हुए सडक़ हादसे के मामले में पुलिस ने आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मुनीश कुमार पुत्र हरि किशन निवासी दयाल सिंह कॉलोनी, हांसी के रूप में हुई है। थाना सदर टोहाना प्रभारी सादीराम ने बताया कि शिकायतकर्ता संदीप सिंह निवासी गांव समैण ने पुलिस को बताया कि 9 मार्च को वह अपने दोस्त के मोटरसाइकिल पर सवार होकर समैण धर्मकांटा पर काम के लिए जा रहा था। इसी दौरान हादसा हुआ।

स्वामी श्री 1008 रामेश्वरानंद का जन्मोत्सव मनाया

रतिया। श्री राम आश्रम शिव मंदिर टिब्बा कॉलोनी के संस्थापक स्वामी श्री श्री 1008 रामेश्वरानंद सरस्वती का जन्मोत्सव आज बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर श्रीराम आश्रम शिव मंदिर टिब्बा कॉलोनी की कमेटी व पंडित अचार्य केशव शास्त्री और वृन्दावन से आए कथावाचक आचार्य मधुर किशोर द्वारा मंत्रोच्चार के साथ स्वामी जी की पूजा अर्चना की गई । महिला मंडल द्वारा स्वामी जी की महिमा का गुणगान किया गया।

बैंक का दरवाजा तोड़कर की चोरी, आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। टोहाना के गांव समैण स्थित दि फतेहाबाद सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक का दरवाजा तोडक़र चोरी करने के मामले को सुलझाते हुए सदर टोहाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अर्जुन पुत्र देशराज निवासी राज नगर, टोहाना के रूप में हुई है। थाना सदर टोहाना प्रभारी उप निरिक्षक सादीराम ने बताया कि समैण ब्रांच के बैंक मैनेजर राम प्रताप ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि 26 दिसंबर 2025 को बैंक बंद करने के बाद, लगातार दो दिन की छुट्टियां थीं। 29 दिसंबर को जब सफाई कर्मचारी ने बैंक खोला, तो देखा कि पीछे का दरवाजा टूटा हुआ था।

मंडी से जीरी चोरी करने वाले गिरोह पर शिकंजा

फतेहाबाद। अनाज मण्डी से जीरी चोरी करने वाले गिरोह पर शिकंजा कसते हुए थाना शहर टोहाना पुलिस ने दूसरे मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सुखविंदर उर्फ कालिया पुत्र पवन निवासी तिलक नगर, टोहाना के रूप में हुई है। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप ने इस बारे पुलिस ने केवल सिंह, एकाउंटेंट, दी जमींदारा ट्रेडिंग कंपनी, पुरानी अनाज मंडी, टोहाना की शिकायत पर केस दर्ज किया था।

आरोही मॉडल स्कूल में प्रवेश परीक्षा 22 को

रतिया। खंड के गांव जल्लोपुर में स्थित आरोही मॉडल स्कूल में प्रवेश परीक्षा का आयोजन 22 मार्च को किया जा रहा है। विद्यालय इंचार्ज अंशुल सिंगला ने बताया कि कक्षा 6,7,8,9 व 11 के लिए आवेदन करने की अंतिम तारीख 18 मार्च तय की गई है। प्रवेश परीक्षा का आयोजन 22 मार्च रविवार को स्कूल प्रांगण में ही किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस विद्यालय में पूरी तरह से निःशुल्क पढ़ाया जाता है। सभी छात्र-छात्राओं के लिए निःशुल्क परिवहन सुविधा भी स्कूल द्वारा उपलब्ध करवाई गई है।

23 मार्च को 'नशे के खिलाफ यात्रा' को समर्थन देने का ऐलान

धर्म का वास्तविक अर्थ समाज की सेवा व कुरीतियों का विनाश : प्रेमानंद

नशे के खिलाफ महाशक्ति ट्रस्ट की मुहिम को विचार आश्रम मंदिर व वैष्णो भजन मंडल ने दिया समर्थन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। महाशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट को समर्थन देते धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधि। *फोटो : हरिभूमि*

शहीदों के सपनों के अनुरूप एक नशामुक्त समाज की स्थापना के लिए महाशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा छेड़ी गई मुहिम अब एक जन-आंदोलन का रूप लेती जा रही है। आगामी 23 मार्च को शहीदी दिवस को अनाज मंडी, फतेहाबाद में आयोजित होने वाली 'नशे के खिलाफ एक विशाल यात्रा' को शहर की प्रमुख धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं ने अपना पूर्ण समर्थन देने का ऐलान किया है। इसी कड़ी में ट्रस्ट के संस्थापक भवानी सिंह के नेतृत्व में टीम ने विभिन्न संस्थाओं से संपर्क किया, जहां संस्थाओं ने इस मुहिम में कंधे से कंधा मिलाकर चलने का संकल्प लिया। ट्रस्ट की टीम सबसे पहले श्री विचार आश्रम मंदिर पहुंची, जहां उन्होंने प्रमुख संत स्वामी विज्ञान प्रेमानंद महाराज से आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर विचार आश्रम ट्रस्ट के प्रधान कृष्ण वधवा सहित अन्य पदाधिकारियों ने भवानी सिंह का स्वागत किया।

सराहनीय प्रयास

इस मौके पर संत स्वामी विज्ञान प्रेमानंद महाराज ने महाशक्ति ट्रस्ट की सराहना करते हुए कहा कि, नशा आज हमारी युवा पीढ़ी को दीमक की तरह चाट रहा है। महाशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा शुरू किया गया यह प्रयास न केवल सराहनीय है बल्कि समय की मांग भी है। धर्म का वास्तविक अर्थ ही समाज की सेवा और कुरीतियों का विनाश है। हमारी संस्था इस पावन कार्य में पूर्ण रूप से साथ है।

प्रत्येक वर्ग नशे के खिलाफ खड़ा होना होगा

इसके पश्चात टीम सर्वश्री वैष्णो भजन मंडल के कार्यालय पहुंची। मंडल के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक यात्रा में शामिल होने की बात कही। भजन मंडल के सदस्यों ने जोर देते हुए कहा कि, नशा एक ऐसी बुराई है जो हंसते-खेलते परिवारों को उजाड़ देती है। समाज के प्रत्येक वर्ग को इस जहर के खिलाफ खड़ा होना होगा ताकि हम अपनी आने वाली नस्लों को सुरक्षित कर सकें। इस दौरान ईश मेहता, प्रधान दीपक सरदाना, उपप्रधान प्रवीण रूखाया और सचिव विजय मिढ़ा सहित पूरी कार्यकारिणी ने समर्थन पत्र सौंपा। संस्थाओं के समर्थन पर आभार व्यक्त करते हुए भवानी सिंह ने कहा कि नशे के खिलाफ यह कोई व्यक्तिगत लड़ाई नहीं, बल्कि एक सांझा जंग है। उन्होंने कहा, एक अकेला व्यक्ति समाज को नशामुक्त नहीं कर सकता। इसके लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। बैठक के दौरान विचार आश्रम ट्रस्ट से पवन बठला, राजकुमार मुटरेजा, रोहताश शर्मा, भूप सिंह, नरेन्द्र कुमार, मोहन गढ़वाल सरपंच अकांवाली, अमन सिंधु, सतीश भड़ोलावांली उपस्थित रहे।

भूना। वार्ड वाइज एरिया सभा के दौरान सामाजिक योजनाओं के लाभार्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन करते नगर पालिका अधिकारी व मौजूद वार्डवासी।

एरिया सभा में 10% कोरम नहीं होने से 6 वार्डों में लाभार्थियों का सत्यापन टला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भूना

नगर पालिका प्रशासन की ओर से शहर में सामाजिक योजनाओं के लाभार्थियों के सत्यापन के लिए वार्ड-वाइज एरिया सभाओं का आयोजन शुरू किया गया, लेकिन पहले दिन अधिकांश वार्डों में मतदाताओं की कम उपस्थिति के कारण प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी। वार्ड नंबर 2 और 5 को छोड़कर अन्य वार्डों में 10 प्रतिशत मतदाताओं का कोरम पूरा नहीं हुआ, जिससे बुढ़ापा पेंशन, विधवा पेंशन और दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना के लाभार्थियों का सत्यापन नहीं हो पाया। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शनिवार को सुबह 10 बजे वार्ड नंबर 1 से 4 तक एरिया सभाएं आयोजित की गईं, जबकि दोपहर 2 बजे वार्ड नंबर 5 से 8 तक बैठकों का आयोजन किया गया। हालांकि कम उपस्थिति के चलते केवल दो वार्डों में ही सभा की प्रक्रिया पूरी हो सकी।

क्या बोले नपा सचिव

नगर पालिका सचिव दीपक कुमार ने बताया कि एरिया सभा के माध्यम से लाभार्थियों का सत्यापन पारदर्शी तरीके से किया जा रहा है, ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ सही पात्र लोगों तक पहुंच सके। इसके लिए प्रत्येक वार्ड में कुल मतदाताओं का कम से कम 10 प्रतिशत लोगों की उपस्थिति अनिवार्य रखी गई है। कोरम पूरा होने पर ही सभा की प्रक्रिया पूरी मानी जाएगी। उन्होंने बताया कि रविवार 15 मार्च को सुबह 10 बजे वार्ड नंबर 9 से 12 तक एरिया सभाएं आयोजित होंगी, जबकि दोपहर 2 बजे वार्ड नंबर 13 से 15 तक के वार्डों में बैठक होगी। नगर पालिका प्रशासन ने सभी वार्डों के पार्षदों को भी इन सभाओं में शामिल होने के निर्देश दिए हैं। पालिका सचिव ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने-अपने वार्ड की एरिया सभा में समय पर पहुंचकर योजनाओं से जुड़ी जानकारी प्राप्त करें और सत्यापन प्रक्रिया में सहयोग करें, ताकि किसी पात्र व्यक्ति का नाम सूची से बाहर न रह जाए।

सांसद बराला ने सुनीं लोगों की समस्याएं अधिकारियों को दिए समाधान के निर्देश

फतेहाबाद। लोगों की समस्याएं सुनते सांसद सुभाष बराला। *फोटो : हरिभूमि*

फतेहाबाद। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने शनिवार को अपने फार्म हाउस पर क्षेत्र के विभिन्न गांवों और शहरों से आए नागरिकों से आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने उनकी समस्याओं, सुझावों और जनहित से जुड़े विषयों को गंभीरता से सुना। सांसद ने कहा कि जनप्रतिनिधि का दायित्व है कि वह जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुने और उनके समाधान के लिए प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित करे। उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि आमजन की समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। सांसद ने केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, उज्ज्वला योजना और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं से गरीब, किसान, महिलाओं और जरूरतमंद वर्गों को सीधा लाभ मिल रहा है।

महिला से चेन झपटने वाले गिरोह का भंडाफोड़

टोहाना। रेलवे रोड क्षेत्र में एक महिला से हुई चैन स्नैचिंग की वारदात को सुलझाते हुए थाना शहर टोहाना पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान निर्मल पुत्र शीशन राम, निवासी गांव भूड़ी के रूप में हुई है। थाना प्रभारी निरिक्षक कुलदीप ने बताया कि इस बारे पुलिस ने मॉडल टाऊन, टोहाना निवासी अनु की शिकायत पर केस दर्ज किया था। महिला ने अपनी शिकायत में कहा था कि 14 अक्टूबर 2025 की शाम वह अपनी ननद के साथ स्कूटी पर रेलवे रोड से घर लौट रही थी। जब वे सैनी चौक के पास विक्की स्टूडियो के नजदीक पहुंचीं, तो पीछे से एक मोटरसाइकिल पर दो नकाबपोश युवक आए। उनमें से एक ने झपटा मारकर महिला के गले से करीब 15 ग्राम वजनी सोने की चेन तोड़ ली और तेज गति से फरार हो गए।

सीडीएलयू का चेन्नई में शानदार प्रदर्शन

- समूह गान, लोक जनजातीय नृत्य और ऑन द स्पॉट पेंटिंग प्रतियोगिताओं में द्वितीय स्थान पाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। प्रतियोगिताओं में अव्वल रहने पर खुशी का इजहार करते हुए।

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा के विद्यार्थियों ने चेन्नई में आयोजित 39वें नेशनल यूथ फेस्टिवल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देशभर के 185 विश्वविद्यालयों के बीच अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। बीती 10 से 14 मार्च 2026 तक आयोजित इस राष्ट्रीय युवा महोत्सव में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के हजारों छात्र-छात्राओं ने भाग लिया, जिसमें चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा के सांस्कृतिक दल ने शानदार उपलब्धियां हासिल कर विश्वविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया।युवा कल्याण निदेशालय की निदेशक डॉ. मंजू नेहरा ने बताया कि प्रतियोगिता के दौरान विश्वविद्यालय की टीम ने सुगम संगीत (भारतीय) में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त पाश्चात्य समूह गान, लोक जनजातीय नृत्य और ऑन द स्पॉट पेंटिंग प्रतियोगिताओं में द्वितीय स्थान हासिल किया। वहीं लोक वाद्य यंत्र, पाश्चात्य वादन एकल और स्किट प्रतियोगिताओं में टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। इस विजयी टीम का नेतृत्व टीम इंचार्ज अनिल रोहिल्ला और प्रीत कौर ने किया, जबकि डीन स्टूडेंट वेलफेयर नॉमिनी डॉ. राजेश छिकारा के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने यह गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल की।

निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर आज

फतेहाबाद। जिला पुलिस द्वारा अपने अधीनस्थ अधिकारियों, कर्मचारियों, उनके परिवारजनों तथा आमजन के बेहतर स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए 15 मार्च रविवार को पुलिस लाइन, फतेहाबाद में एक निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य पुलिस विभाग में कार्यरत अधिकारियों व कर्मचारियों को उनके व्यस्त ड्यूटी शेड्यूल के बीच बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है, ताकि वे स्वस्थ रहकर अधिक ऊर्जा, समर्पण और दक्षता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें। एसपी सिद्धांत जैन ने बताया कि इस स्वास्थ्य शिविर में देश के प्रतिष्ठित अस्पताल मेदांता-दि मेडिसिटी गुरुग्राम से सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. एसके तनेजा, कार्डियोलॉजी तथा डॉ. प्रियांशु, रेस्पिरेटरी विशेषज्ञ अपनी सेवाएं देंगे।

श्री सांवरिया सेठ उपहार योजना के नाम पर ठगे थे रुपये, आरोपी पकड़ा

फतेहाबाद। ऑनलाइन लॉटरी और बुलेट बाइक का झांसा देकर धोखाधड़ी करने वाले गिरोह के एक और सदस्य को भट्टूकलां पुलिस ने गिरफ्तार कया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान शब्बीर उर्फ मोहम्मद शब्बीर पुत्र अजमुद्दीन निवासी गंगवानी, जिला नूँह के रूप में हुई है। थाना भट्टू कलां प्रभारी उप-निरीक्षक राधेश्याम ने बताया कि इस बारे पुलिस ने भट्टू निवासी सन्नी की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया था कि अगस्त 2025 में उसके व्हाट्सएप पर श्री सांवरिया सेठ उपहार योजना भीलवाड़ा के नाम से एक मैसेज आया था। ठगों ने उसे ऑनलाइन टोकन और लॉटरी का झांसा देकर कुल 27 हजार 567 रुपये अलग-अलग खातों में ट्रांसफर करवा लिए पैसे ऐंठने के बाद आरोपियों ने अपना मोबाइल फोन बंद कर दिया।

क्विज व मॉडल मेकिंग में अंकिता और पोस्टर मेकिंग में कुमकुम ने मारी बाजी

- बीएड कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय गणित दिवस एवं राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

फतेहाबाद। बीएड कॉलेज में आयोजित प्रतियोगिताओं में भाग लेते विद्यार्थी।

मनोहर मेमोरियल कॉलेज ऑफ एजुकेशन, फतेहाबाद में अंतरराष्ट्रीय गणित दिवस एवं राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में विज्ञान और गणित के प्रति रुचि, रचनात्मकता तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण को विकसित करना था। इस कार्यक्रम के संयोजक के रूप में मनीषा और कंचन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जबकि प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन ललित तथा अमनप्रीत कौर द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता, मॉडल मेकिंग प्रतियोगिता तथा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जिनमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता में अंकिता बीएड प्रथम वर्ष ने पहला, हरीश बीएड प्रथम वर्ष ने दूसरा तथा बीएबीएड तृतीय वर्ष से लिवांशी ने तीसरा स्थान हासिल किया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में बीएबीएड द्वितीय वर्ष से कुमकुम ने प्रथम तथा बीएबीएड तृतीय वर्ष से निहारिका ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

उत्कृष्ट प्रदर्शन किया

मॉडल मेकिंग प्रतियोगिता में बीएड प्रथम वर्ष से अंकिता ने अपनी रचनात्मकता और वैज्ञानिक समझ का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया। कार्यक्रम के अंत में कॉलेज प्राचार्या, उप-प्राचार्या एवं समस्त स्टाफ सदस्यों ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आगे भी इसी प्रकार मेहनत और लगन से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक रहा।

दुष्कर्म और धमकी के मामले में आरोपी पकड़ा

फतेहाबाद। एक युवती से दुष्कर्म और जान से मारने की धमकी देने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना जाखल पुलिस ने दूसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान तरसेम पुत्र दीवान चंद निवासी गुलाड़, जिला पटियाला, पंजाब के रूप में हुई है । थाना जाखल प्रभारी उप निरिक्षक सुरेश ने पीड़िता ने महिला अधिवक्ता की उपस्थिति में पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि फरवरी 2025 में जब उसके घर पर मकान निर्माण का काम चल रहा था, तब आरोपियों ने घर में अकेला पाकर पीड़िता के साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता की शिकायत पर थाना जाखल में दुष्कर्म करने, धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। मामले में कार्रवाई करते हुए इस मामले में एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

सिरसा। स्वर्णकार संघ देव कुमार शर्मा से भेंट करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

स्वर्णकार संघ ने की चेयरमैन देव शर्मा से भेंट

सिरसा। अखिल भारतीय स्वर्णकार संघ का एक प्रतिनिधिमंडल हरियाणा बीज विकास निगम के चेयरमैन व एचकेआरएन हरियाणा के डायरेक्टर देव कुमार शर्मा से उनके निवास पर मिला। प्रतिनिधिमंडल ने देव कुमार शर्मा को फूलमाला, सिरोपा व पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया तथा भगवान श्री गणेश व माता लक्ष्मी की चांदी की प्रतिमा भेंट की। शर्मा ने संघ के जिला प्रधान राजकुमार सोनी व अन्य सदस्यों को सिरोपा पहनाकर स्वागत किया और स्मृति चिन्ह भेंट किए। संघ के राष्ट्रीय संयोजक रविंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने देव कुमार शर्मा से अनुरोध किया कि हरियाणा में स्वर्णकला भलाई बोर्ड का गठन करवाने के लिए वे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के समक्ष उनकी पैरवी करें। प्रतिनिधिमंडल ने सोने के बढ़ते दामों, स्वर्णकारों पर लगने वाली धारा 411 व 412 के मामलों में उचित समाधान, बंगाली कारीगरों के लिए समस्याओं सहित कई समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। संघ के राष्ट्रीय प्रतिनिधि अशोक कंडा ने बताया कि इस दौरान स्वर्णकार समाज की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। चेयरमैन देव कुमार शर्मा ने स्वर्णकारों को आश्वस्त करते हुए कहा कि संघ के पदाधिकारी राजेश सोनी सदेवड़ा के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल तैयार किया जाए, जिसे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से समय लेकर मिलवाया जाएगा, ताकि स्वर्णकारों के कारोबार से जुड़ी समस्याओं का समाधान करवाने का प्रयास किया जा सके। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सभी वर्गों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस अवसर पर मोहन लाल जौड़ा, सुरेंद्र कुमार सोनी झींगा, किशोरी लाल सदेवड़ा, दिनेश सोनी नारनौली, सुरेंद्र सोनी भूना, कन्हैया लाल मसौन गंगा वाले, जगसीर सिंह कंडा, सुखविंद्र सूर्या, निर्मल सिंह कंडा आदि मौजूद रहे।

मार्केटिंग बोर्ड के नए नियमों से फूली आढ़तियों की सांसें: मेहता

- नए नियमों से आढ़तियों में रोष, गेहूं खरीद से पहले बढ़ी चिंता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

आढ़ती एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोहर मेहता ने संयुक्त रूप से कहा कि प्रदेशभर में गेहूं खरीद का सीजन आरंभ होने से पूर्व ही मार्केटिंग बोर्ड हरियाणा के नए नियमों से आढतियों की सांसें फूली हुई हैं। मेहता ने कहा कि मार्केटिंग बोर्ड हरियाणा ने इस बार नए नियम आढतियों पर थोंपे हैं जिससे आढतियों के लिए कार्य कर पाना नाममुकिन हो गया है। उन्होंने बताया कि इस बार नई नियमावली के मुताबिक मंडी में प्रवेश करते हुए किसानों के लिए बायोमेट्रिक जरूरी किया गया है। इतना ही नहीं सभी आढतियों के लिए फर्शी नहीं बल्कि डिजीटल कंडा इस्तेमाल करना जरूरी होगा। सभी किसानों को क्षेत्र विशेष में ही टोकन कटवाने के लिए बाध्य किया गया है।

उन्होंने कहा कि इस बार बंपर गेहूं की फसल को देखते हुए आढतियों को अतिरिक्त फंड की जरूरत रहेगी मगर अभी तक उन्हें यह उपलब्ध करवाने की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया जा सका है जिससे इस बात की आशंका बढ़ गई है कि गेहूं की फसल को गिराने के लिए स्थान के लिए वाद विवाद होगा। दोनों पदाधिकारियों ने बताया कि पूरी मंडी की सडक़ें पूरी तरह टूटी हैं, ऐसे में यहां गेहूं की फसल लेकर आने वाली ट्रेक्टर ट्रॉली व ट्रक आदि हादसे का शिकार हो सकते हैं जबकि नगरपरिषद सिरसा को इन सडक़ों की मुरम्मत के लिए पहले भी आग्रह किया जा चुका है। सिरसा अनाजमंडी में पांच विभिन्न प्रकार के विभागों का हस्तक्षेप है और ऐसे में आढतियों को काम करने के लिए इन सभी विभागों के पास कार्य की स्वीकृति के लिए चक्कर लगाने पड़ते हैं जो प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से आढतियों के शोषण के समान है। मंडी में पंजीकृत किसानों का आना अनिवार्य किए जाने संबंधी शर्तें पूरी तरह से लागू किया जाना नामुमकिन हैं।

राजकीय कन्या उच्च विद्यालय और टैगोर स्कूल में 'वॉटर टेस्टिंग डे' आयोजित

विद्यार्थियों को जल संरक्षण के प्रति किया जागरूक

बच्चों को जल जांच की विभिन्न तकनीकों के बारे में बताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। टैगोर स्कूल में जल महोत्सव के तहत आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

जल संरक्षण और स्वच्छ पेयजल के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से चल रहे जल महोत्सव पखवाड़े के तहत राजकीय कन्या उच्च विद्यालय धांगड़ और टैगोर हाई स्कूल फतेहाबाद में 'वॉटर टेस्टिंग डे' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को जल की गुणवत्ता की जांच करने के तरीके सिखाए गए तथा स्वच्छ पानी के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला।

मुख्य वक्ता के रूप में पहुंचे बीआरसी मदन सैनी और शमशेर ने बच्चों को जल जांच की विभिन्न तकनीकों के बारे में बताया। उन्होंने फील्ड टेस्टिंग किट का प्रदर्शन करते हुए समझाया कि साधारण उपकरणों की मदद से भी पानी की शुद्धता का परीक्षण किया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि किसी भी जल स्रोत से सैंपल लेते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए और पानी का सैंपल सही तरीके से कैसे भरा जाता है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी जानकारी दी कि प्रयोगशाला में वैज्ञानिक पद्धति से पानी की जांच कैसे की जाती है और किन-किन मानकों के आधार पर पानी की गुणवत्ता तय की जाती है।

स्वच्छ जल स्वस्थ जीवन की आधारशिला है

वक्ताओं ने बच्चों को समझाया कि स्वच्छ जल स्वस्थ जीवन की आधारशिला है। यदि पानी दूषित हो तो इसके सेवन से डायरिया, टाइफाइड और अन्य जलजनित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए पानी का उपयोग करने से पहले उसकी शुद्धता की जांच करना बेहद आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को जल संरक्षण का संदेश देते हुए कहा कि पानी की हर बूंद कीमती है और इसे बचाना हम सबकी जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को पानी की जांच से जुड़े व्यावहारिक प्रयोग भी करवाए गए, जिससे उन्हें विषय को समझने में आसानी हुई।

खबर संक्षेप

फ्लैश कार्ड मेकिंग में रिम्पल अव्वल

सिरसा। नेशनल कॉलेज ऑफ एजुकेशन महाविद्यालय में शनिवार को साइंस एंड मैथ क्लब की ओर से अंतरराष्ट्रीय गणित दिवस पर मैथेमेटिकस इन एवरीडेलाईफ विषय पर फ्लैश कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता हुई। प्राचार्या डॉ. पूनम मिगलानी ने बताया कि आज का दिन पाई दिवस के रूप में मनाया जाता है और गणित केवल किताबों तक ही सीमित नहीं बल्कि यह हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न अंग है।

आभूषण व नकदी चोरी का आरोपी दबोचा

सिरसा। पुलिस ने ऐलनाबाद में एक घर से सोना-चांदी के आभूषण व नकदी चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले युवक को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी ने बताया कि ऐलनाबाद वार्ड नंबर 7 निवासी सत्यनारायण ने पुलिस को दी शिकायत में बताया उसकी माता के देहांत पर पूरा परिवार घर के ताला लगा कर गांव रिसालिया खेड़ा गया हुआ था। बीती 11 फरवरी को लगभग दोपहर 3 बजे हम घर पहुंचे तो हमने देखा की हमारे घर का ताला टूटा हुआ है और मेन गेट खुला पड़ा हुआ है।

ऋग्वेद के ज्ञान से फैलता है सत्य व संस्कारों का प्रकाश

फतेहाबाद। सुंदर नगर स्थित आर्य समाज मंदिर में आयोजित तीन दिवसीय ऋग्वेद पारायण यज्ञ के दूसरे दिन शनिवार को श्रद्धा और अध्यात्म का अनूठा संगम देखने को मिला। वैदिक मंत्रों की गूँज और यज्ञ की सुगंध से पूरा परिसर भक्तिमय हो गया। इस दौरान भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने विश्व कल्याण की कामना के साथ आहुतियां डालीं। यज्ञ का संचालन ब्रह्मा आचार्य सुरेश शास्त्री एवं पुरोहित दीपक शास्त्री के सान्निध्य में किया गया।

डीलरों ने सिक्योरिटी राशि बढ़ाने पर उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

सिरसा। एनएफएल द्वारा बार-बार सिक्योरिटी बढ़ाये जाने के विरोध में डीलरों ने उपायुक्त को रसायन व खाद्य मंत्रालय के सचिव के नाम ज्ञापन सौंपा। उपायुक्त को सौंपे ज्ञापन में डीलरों स. हरमेश सिंह, गौरीशंकर खोथ, अजनीश कनेडी, नत्थुराम, रोहित मोंगा, भीम सिंह, कुलदीप, बजरंग, रमेश कुमार सहित अन्य ने बताया कि वे सभी जिला सिरसा डीलर एनएफएल के अधिकृत थोक विक्रेता हैं और सभी कृषि विभाग के आदेश के अनुसार काम करते हैं।

यूपीआई फ्रॉड को लेकर रहें सावधान

फतेहाबाद। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने डमी मोबाइल ऐप के माध्यम से हो रहे यूपीआई फ्रॉड को लेकर आमजन, विशेषकर दुकानदारों के लिए जनहित एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि साइबर अपराधी नकली यूपीआई एप्लीकेशन व फर्जी पेमेंट सक्सेसफुल स्क्रीन दिखाकर लोगों को भ्रमित कर रहे हैं और बिना भुगतान किए सामान या सेवा प्राप्त कर रहे हैं। एसपी ने कहा कि दुकानों, पेट्रोल पंपों, ढाबों, ठेलों व छोटे व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर इस तरह के मामले अधिक सामने आ रहे हैं, जहां आरोपी ग्राहक के मोबाइल पर पेमेंट होने की फर्जी स्क्रीन दिखाते हैं।

3,46,95,829 रुपये की राशि समझौता व जुर्माना के रूप में की पास

लोक अदालत में 29912 मामलों में से 20995 मामलों का निपटारा

जरूरतमंदों को मुफ्त कानूनी सेवा देने का प्रावधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

हरियाणा राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण के तत्वावधान में शनिवार को जिला व उपमंडल स्तर के न्यायिक परिसरों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस दौरान राष्ट्रीय लोक अदालत में 29912 मामले रखे गए जिनमें से 20995 मामलों का निपटारा किया गया और तीन करोड 46 लाख 95 हजार 829 रुपये की राशि समझौता व जुर्माना के रूप में पास की गई। राष्ट्रीय लोक अदालत में लंबित मामलों का निपटारा करते हुए अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश तरूण सिंगल ने कहा कि हरियाणा राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण द्वारा समाज के जरूरतमंद व्यक्तियों एवं आर्थिक रूप से पिछले वर्गों के सदस्यों के लिए मुफ्त सेवा कानून का प्रावधान किया गया है। प्रदेश में समय-समय पर लोक अदालतों का आयोजन कर लंबित मामलों का निपटान दोनों पक्षों की सहमति से किया जाता है।

फतेहाबाद। राष्ट्रीय लोक अदालत में मामलों की सुनवाई करते हुए न्यायाधीश। फोटो : हरिभूमि

मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव गायत्री ने बताया कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के अध्यक्ष दीपक अग्रवाल के दिशा निर्देशानुसार जिला स्तर पर एडीजे तरूण सिंगल, प्रधान न्यायाधीश फैमिली कोर्ट शिखा, एडीशनल सिविल जज सीनियर डिवीजन कम न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी विनती, सिविल जज जूनियर डिवीजन कम न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी जोगिंद्र जांगड़ा, रतिया उपमंडल पर एडीशनल सिविल जज सीनियर डिवीजन कम एसडीजेएम सलोनी गुप्ता तथा उपमंडल टोहाना में एडीशनल सिविल जज सीनियर डिवीजन कम एसडीजेएम हर्ष कुमार सिंह की कोर्ट में लोक अदालत लगाई गई।

19000 प्री-लिटिगेशन मामले निपटाए

सीजेएम ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में 29912 मामले रखे गए जिनमें से 20995 मामलों का निपटारा किया गया और तीन करोड 46 लाख 95 हजार 829 रुपये की राशि समझौता व जुर्माना के रूप में पास की गई। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में प्री-लिटिगेशन मामलों की सुनवाई करते हुए 24800 मामलों में से 19000 मामलों का निपटारा किया गया और 85 लाख 6 हजार 468 रुपये की राशि समझौता व जुर्माना के रूप में पास की गई। इसी प्रकार कोर्ट में लंबित मामलों की सुनवाई करते हुए 5112 मामलों में से 1995 मामलों का निपटारा किया गया तथा दो करोड़ 61 लाख 89 हजार 361 रुपये समझौता व जुर्माना के रूप में पास की गई।

आत्मा में ही है परमात्मा का वास : डॉ. सुब्रत मुनि

फतेहाबाद। धर्मसभा को संबोधित करते जैन संत। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

एसएस जैन सभा, श्याम नगर फतेहाबाद में डॉ. सुब्रत मुनि महाराज एवं मुदित मुनि महाराज का आगमन हुआ है। संतों के यहां विराजमान होने से पूरे क्षेत्र में धर्म, उत्साह और आनंद का वातावरण बना हुआ है। इस मौके पर धर्मसभा को संबोधित करते हुए संतों ने अध्यात्म और साधना के महत्व पर गहरा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति अपनी शक्ति को अहिंसा, संयम और तप में लगाता है, तब वह स्वयं को साधना में झोंक देता है।

इसी साधना से आत्मा को क्षमा, सन्तोष और निर्ममत्व भाव की प्राप्ति होती है। प्रवचन में बताया गया कि इस प्रक्रिया से आत्मा में अनासक्ति का भाव जागृत होता है और आत्मा अपने ज्ञान, दर्शन और चारित्रिक गुणों को विशुद्ध बनाकर स्वयं को परमात्म भाव में स्थित कर लेती है। अर्थात आत्मा में ही छिपा हुआ परमात्मा प्रगट हो जाता है, और यही सच्ची साधना का सर्वोच्च लक्ष्य है।

संतों ने कहा कि इस सर्वोच्च लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सभी के सहयोग और सद्भावना की आवश्यकता होती है, जो कि यहाँ के सद्भक्तों में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। उन्होंने एसएस जैन सभा की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां के सभी सदस्य सत्संग प्रेमी और सेवा भावना से भरपूर हैं। संतों ने विशेष रूप से संघ के प्रधान सुरेन्द्र कुमार मित्तल, उपप्रधान विनोद मित्तल, महामन्त्री प्रवीण मित्तल सहित सभी सदस्यों को सेवाभावी बताया।

तस्करों के कब्जे से 80 ग्राम हेरोइन बरामद

लाखों की हेरोइन सहित पांच नशा तस्कर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

पुलिस ने नशा तस्करों पर कार्रवाई करते हुए नाथूसरी चोपटा क्षेत्र से पांच तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तस्करों के कब्जे से 80 ग्राम हेरोइन बरामद की है, जिसकी कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। सिरसा के पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने शनिवार को बताया कि पकड़े गए आरोपियों की पहचान कुलबीर सिंह, प्रदीप, राजदीप, अनिल व सुरेंद्र के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि सीआईए सिरसा पुलिस टीम गांव कर्मगढ क्षेत्र मे मौजूद थी। इसी दौरान सामाने से कार आई जो कि पुलिस को देखकर वापस मुड़ गए। पुलिस ने कार को चेकिंग के लिए रोका और तलाशी ली तो कार से 70 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने कार सवार तीन लोगों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान सिरसा निवासी कुलबीर सिंह, प्रदीप, राजदीप के रूप में हुई।

आरोपियों को अदालत में पेश कर लेंगे रिमांड पर

इसके अलावा पुलिस ने भट्ठ रोड क्षेत्र से मोटरसाइकिल सवार दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से दस ग्राम हेरोइन बरामद की है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान अनिल व सुरेंद्र के रूप में हुई है। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए पांचों आरोपियों के खिलाफ नाथूसरी चोपटा थाना में मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा और रिमांड अवधि के दौरान हेरोइन तस्करी के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के बारे में नाम पता मालूम कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि नशे के सौदागरों को किसी भी कीमत पर सिरसा में पांव नही पसारने दिए जाएंगे। नशा तस्करों की असली जगह जेल है।

गैस सिलेंडरों की जमाखोरी रोकने में प्रशासन नाकाम

- महिलाएं चूल्हे पर भोजन बनाने को विवश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

जिला महिला कांग्रेस की अध्यक्ष कृष्णा फौगाट ने कहा कि जो भाजपा विकास का राग अलापती है, आज उसी के शासन में आमजन को पर्याप्त गैस सिलेंडर नहीं मिल पा रहे और ऐसे में गैस सिलेंडरों के दामों में वृद्धि कर आम आदमी की आर्थिक रूप से कमर तोड़ी गई है। कृष्णा फौगाट शनिवार को सिरसा में मीडिया से रूबरू हो रही थी। उन्होंने कहा कि गैस सिलेंडरों की जमाखोरी रोकने में प्रशासन नाकाम साबित हो रहा है।

उन्होंने जिला महिला कांग्रेस की ओर से केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी से इस्तीफा देने की भी मांग की। जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष कृष्णा फौगाट ने कहा कि आज आमजन को पर्याप्त गैस न मिलने के कारण ग्रामीणांचल व शहरों में भी महिलाएं चूल्हे पर भोजन बनाने को विवश हैं। उन्होंने कहा कि आज हालात इतने गंभीर हो चले हैं कि गैस एजेंसियों के बाहर लंबी लंबी उपभोक्ताओं की कतारें लग रही हैं जो ये सिद्ध करने के लिए काफी हैं कि देश प्रदेश में ईंधन की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा जुमलों की सरकार है और होली, दीपावली पर गैस सिलेंडर फ्री देने की घोषणा भी महज जुमला ही साबित हुई। कांग्रेस नेत्री ने कहा कि सिरसा शहर की विभिन्न बस्तियों में खुली छोटी छोटी दुकानों पर आम उपभोक्ता दो-दो किलो गैस भरवाने को मजबूर हैं।

सिरसा। मीडिया से रूबरू होती कृष्णा फौगाट। फोटो : हरिभूमि

एजेंसियों से नहीं मिल रहा सिलेंडर

गैस एजेंसियों से गैस सिलेंडर न मिलने के कारण जमाखोरी की स्थिति पैदा हो गई है जबकि भाजपा शासन गलत आंकड़े व दावे प्रस्तुत कर स्थिति को सामान्य बताकर आमजन को भ्रमित कर रहा है। कृष्णा फौगाट ने कहा कि आज प्रदेश का हर वर्ग शासन की गलत नीतियों से आहत है। बेरोजगार युवा वर्ग नशे की दलदल में फंसता जा रहा है तो व्यापारियों से फिरौतियां मांगी जा रही हैं वहीं महिलाओं के प्रति अपराधों के ग्राफ में काफी बढ़ौतरी हुई है, जिसे रोक पाने में पुलिस प्रशासन पूरी तरह से विफल साबित हुआ है। कांग्रेस नेत्री ने कहा कि आज केंद्र सरकार ने विश्व के प्रभावी देशों के शासनाध्यक्षों के समक्ष घुटने टेक दिए हैं जिससे देश का सम्मान वैश्विक स्तर पर कम हुआ है।

इलेक्ट्रिक वाहनों की तकनीकों की दी जानकारी

ओढां। चौधरी देवी लाल स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी पन्नीवाला मोटा में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के छठे सेमेस्टर के छात्रों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस एक दिवसीय कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छात्रों को इलेक्ट्रिक वाहन प्रौद्योगिकी और इसके नवीनतम रुझानों के बारे में ज्ञान और प्रशिक्षण प्रदान करना है। इस कार्यशाला के दौरान छात्र इलेक्ट्रिक वाहनों में उपयोग होने वाली आगामी तकनीकों के बारे में जानेंगे। इस कार्यशाला का संचालन एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ के विद्युत अभियांत्रिकी विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष डॉ. ऋतुला ठाकुर करेंगी। वे इलेक्ट्रिक वाहन प्रौद्योगिकी और इसके संपूर्ण सेटअप के बारे में एक सत्र प्रस्तुत करेंगी। इसके बाद के सत्रों में एनआईटीटीटीआर के विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के अन्य स्टाफ सदस्य और शोधार्थी भी भाग लेंगे। पन्नीवाला मोटा इंजीनियरिंग कॉलेज के विद्यार्थी चंडीगढ़ में स्थापित ईवी लैब का दौरा भी करेंगे।

ओढां। इंजीनियरिंग कॉलेज के विद्यार्थी कार्यशाला में भाग लेते हुए।

श्रीकृष्ण-रुकमणि विवाह की बारात निकाली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

श्री बजरंग दल सेवा ट्रस्ट की ओर से पुरानी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित हनुमान मंदिर में श्रीमद्भागवत कथा में श्रीकृष्ण-रुकमणि विवाह की बारात निकाली गई, जिसका श्रद्धालुओं ने फूलों से जोरदार स्वागत किया। मुख्य गलियों का भ्रमण कर बारात वापस कथास्थल पर पहुंची।

कथावाचिका ने बताया कि भगवान द्वारकाधीश ने रुकमणि के सत्य संकल्प को पूर्ण किया। रुकमणि विदर्भ के राजा भीष्मक की पुत्री थी। भीष्मक मगध के राजा जरासंध के जागीरदार थे। रुकमणि का ज्येष्ठ भ्राता रुकमणि दुष्ट राजा कंस का मित्र था, जिसका कृष्ण द्वारा वध कर दिया गया था। इस कारण वह इस विवाह के विरुद्ध था। रुकमणि के माता-पिता रुक्मिणी का विवाह कृष्ण से ही करना चाहते थे, लेकिन रुक्मी ने इसका कड़ा विरोध किया। रुकमणि एक महत्वाकांक्षी राजकुमार था और वह निर्दयी जरासंध का क्रोध नहीं चाहता था, इसलिए उसने प्रस्तावित किया कि उनका विवाह शिशुपाल से किया जाए।

सिरसा। श्रीकृष्ण-रूकमणि विवाह दृश्य। फोटो : हरिभूमि

भीष्मक अपनी आत्म इच्छा को मारकर रुकमणि का विवाह शिशुपाल के संग करने के लिए स्वीकृति दे दी, लेकिन रुकमणि जो कि इस वातार्लाप को चुपके से सुन चुकी थी। उसने शीघ्र ही एक विश्वस्त ब्राह्मण को कृष्ण को संदेश देने के लिए मना लिया, जिसमें कृष्ण को विदर्भ आकर उन्हें अपने साथ ले चलने की विनती की। श्रीकृष्ण ने युद्ध से बचने के लिए उनका हरण कर लिया। आयोजकों के अनुसार इस कथा का मुख्य उद्देश्य समाज में धार्मिक और आध्यात्मिक मूल्यों को बढ़ावा देना तथा लोगों को भक्ति और सत्संग के प्रति प्रेरित करना है।

सिरसा। कथा वाचक प्रवचन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

नाम सिमरन से ही मानव का कल्याण सम्भव

सिरसा। भारत संतों, मुनियों, ऋषियों की धरती है, हमें अपने देश, अपनी संस्कृति, अपनी भाषा व सनातन धर्म पर गर्व होना चाहिए। क्योंकि हमारे देश जैसी संस्कृति कहीं और नहीं मिलती। उक्त प्रवचन शिव शक्ति योग मिशन द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के तीसरे दिन स्वामी आत्मानंद पुरी ने उपस्थित श्रद्धालुओं को कहे। स्वामी ने बताया कि चंद्रवंशी राजा ययाति को 1 हजार वर्षों तक सुख व भोग भोगने के बाद भान हुआ कि इच्छाएं भोग भोगने से शांत होने की जगह बढ़ती है और राजा ने सब कुछ त्याग इतनी कठोर तपस्या की कि सशरीर देवलोक पहुंच गए पर देवराज इंद्र ने उन्हें अपने जाल में फंसा कर उनसे उनके पुण्यों का बखान करा लिया और राजा ययाति में अहंकार आ गया। देवराज इंद्र द्वारा उन्हें दुबारा प्रथ्वी पर जाने के लिए कहने पर ययाति ने उन्हें संतों की भूमि भारत में ऋषियों की संगत में भेजने का अनुरोध किया और वे पुनः ज्ञान व तप द्वारा ब्रह्मलोक को प्राप्त हुए।

हरियाणा बनता जा रहा है कैंसर प्रभावित प्रदेश: सैलजा

- पंजाब में प्रतिदिन औसतन 68 लोगों और हरियाणा में 50 लोगों की मृत्यु कैंसर के कारण हो रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा में तेजी से बढ़ रहे कैंसर के मामलों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि पंजाब और हिमाचल प्रदेश के साथ-साथ अब हरियाणा भी तेजी से कैंसर प्रभावित प्रदेश बनता जा रहा है। हाल के आंकड़े बताते हैं कि पंजाब में प्रतिदिन औसतन 68 लोगों और हरियाणा में लगभग 50 लोगों की मृत्यु कैंसर के कारण हो रही है, जो बेहद चिंताजनक स्थिति को दर्शाता है।

सांसद सैलजा ने शनिवार को जारी प्रेस बयान में कहा कि उन्होंने अपने लोकसभा क्षेत्र सिरसा और आसपास के क्षेत्रों में कैंसर के बढ़ते मामलों का मुद्दा संसद में भी उठाया है और लगातार इसके प्रति सरकार का ध्यान आकर्षित करती रही हैं। इसके बावजूद सरकार इस गंभीर समस्या को लेकर अपेक्षित संवेदनशीलता नहीं दिखा रही है।

उन्होंने कहा कि विशेष रूप से घग्गर नदी के किनारे बसे गांवों में कैंसर के मामलों में चिंताजनक वृद्धि देखी जा रही है। घग्गर नदी में बढ़ता प्रदूषण, जल स्रोतों की खराब गुणवत्ता, औद्योगिक अपशिष्ट और कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग इस समस्या के प्रमुख कारण बन रहे हैं। यदि समय रहते इन कारणों पर नियंत्रण नहीं किया गया तो आने वाले वर्षों में स्थिति और भयावह हो सकती है। सैलजा ने कहा कि सरकार को घग्गर नदी के प्रदूषण को रोकने और उसकी सफाई के लिए ठोस एवं कारगर कदम उठाने चाहिए।

मुख्य वक्ता प्रो. रंजना अग्रवाल ने विज्ञान में महिलाओं के योगदान पर प्रकाश डाला

सीडीएलयू में एम.एम. कॉलेज फतेहाबाद के विद्यार्थियों ने लहराया परचम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा के भौतिकी विभाग द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2026 के उपलक्ष्य में शैक्षणिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष का विषय 'विज्ञान में महिलाएं : विकसित भारत को प्रेरित करती शक्ति' रहा। इस कार्यक्रम में एम.एम. कॉलेज, फतेहाबाद के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए विभिन्न प्रतियोगिताओं में शानदार स्थान प्राप्त किए। इन प्रतियोगिताओं में एमएम कॉलेज के विद्यार्थियों ने टीम इंचार्ज तान्या मेहता के मार्गदर्शन में भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रो. विजय कुमार द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. रंजना अग्रवाल ने शिरकत की और विज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं के योगदान और विकसित भारत के संकल्प पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संयोजन प्रो. राम मेहर दीक्षित द्वारा किया गया।

फतेहाबाद। एमएम कॉलेज में विजेता विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते प्राचार्य।

टीम इंचार्ज तान्या मेहता को विद्यार्थियों के सफल मार्गदर्शन और समन्वय के लिए विश्वविद्यालय द्वारा विशेष प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर एम.एम. कॉलेज एजुकेशन सोसायटी के चेयरमैन आत्मप्रकाश बत्रा, प्रधान राजीव बत्रा, उपप्रधान अशोक तनेजा, सचिव विनोद मेहता, कोषाध्यक्ष कैलाश बत्रा और प्राचार्य डॉ. गुरचरण दास ने खुशी जाहिर की। उन्होंने विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करती हैं और उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करती हैं।

प्रतियोगिता में 200 छात्रों ने लिया हिस्सा

इस प्रतियोगिता में विभिन्न कॉलेजों के लगभग 200 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस कार्यक्रम में एम.एम. कॉलेज, फतेहाबाद के विद्यार्थियों ने अपनी बौद्धिक क्षमता का परिचय देते हुए कई पुरस्कार अपने नाम किए। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में कॉलेज की टीम, जिसमें विजय पाल एमएससी फिजिक्स, मुस्कान एमएससी फिजिक्स और लक्ष्मी बीएससी शामिल थे, ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। कुल 24 टीमों में से एम.एम. कॉलेज की टीम ने स्क्रीनिंग राउंड में प्रथम स्थान प्राप्त किया और कड़े मुकाबले के बाद फाइनल क्विज में तृतीय स्थान हासिल किया। इसके अलावा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में कॉलेज से बी.एससी. प्रथम वर्ष, फिजिकल साइंस की छात्रा पूजा ने अपनी कलात्मकता और वैज्ञानिक सोच का प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त कर कॉलेज का नाम रोशन किया।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 15 मार्च 2026

कभी दूर ना हो मन-जीवन से खुशी

आज के दौर में लोगों के पास सुख-सुविधाओं की कमी नहीं है, आर्थिक विकास भी हो रहा है, लेकिन फिर भी वास्तविक खुशी बहुत कम ही लोग महसूस कर पाते हैं। खुशी कोई चीज नहीं है, जिसे पैसा, सुख, सुविधाओं से पाया जा सकता है। खुशी तो जीवनशैली है। इसे महसूस करने के लिए अपनी सोच और जीने के अंदाज में बदलाव करना होगा।

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

वर्तमान में इंसान जितनी सुख-सुविधाओं के संग जी रहा है, अब के पहले किसी भी दौर में इसकी कल्पना तक नहीं की गई थी। लेकिन हैरानी की बात यह है कि इंसान फिर भी खुश नहीं है। साल 2012 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने भी इस बात पर गहराई से सोचा और खुशी की भूटान द्वारा तय की गई अवधारणा को न केवल वास्तविक खुशी के रूप में मान्यता दी बल्कि दुनिया भर को इस तरह की खुशी हासिल करने की दिशा में प्रेरित करने के लिए 20 मार्च को अंतरराष्ट्रीय खुशी दिवस मनाए जाने की घोषणा भी की।

भूटान ने बताया जीएनएच का महत्व

संयुक्त राष्ट्र संघ ने विश्व खुशी दिवस मनाने के संबंध में निर्णय लेते हुए यह माना कि आर्थिक विकास के साथ-साथ लोगों की खुशी और कल्याण की वैश्विक नीतियों का लक्ष्य ही वास्तविक खुशी होती है। इसकी बुनियाद में भूटान की जो खुशी संबंधी अवधारणा थी, वह खुशी को सकल घरेलू उत्पाद के रूप में मान्यता देने की थी। भूटान ने वास्तव में जीडीपी की जगह जीएनएच यानी 'ग्रॉस नेशन हैप्पीनेस' की अवधारणा प्रस्तुत की थी। संयुक्त राष्ट्र ने इसे विश्व स्तर पर स्वीकार्य बनाने के लिए ही 20 मार्च को वैश्विक खुशी के दिन के रूप में मान्यता दी और तब से हर साल यह दिन मनाया जाता है।

ऐसे बनती है हैप्पीनेस रिपोर्ट

विश्व खुशी दिवस के मौके पर हर साल वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट जारी की जाती है, जिसमें दुनिया के अलग-अलग देशों के लोगों की कुछ निश्चित पैमानों के मुताबिक उनकी खुशी का आकलन किया जाता है। इस पैमाने के तहत खुशी के लिए जो मानक तय किए जाते हैं, उसमें किसी व्यक्ति के लिए मौजूद सामाजिक समर्थन, उसकी आय और उसका जीवन स्तर, स्वास्थ्य और जीवन प्रत्याशा, व्यक्तिगत आजादी, उस देश और समाज में भ्रष्टाचार का स्तर, वहां के लोगों के बीच आपसी विश्वास और जीवन संबंधी उदारता को पैमाना बनाया जाता है। इस रिपोर्ट के अनुसार पिछले कई सालों से दुनिया के सबसे खुश देशों में फिनलैंड, डेनमार्क, आइसलैंड और स्वीडन जैसे देश लगातार शीर्ष पर बने हुए हैं, क्योंकि इन देशों में बेहतर सामाजिक सुरक्षा, संतुलित जीवनशैली और सामुदायिक विश्वास को खुशहाली का मुख्य कारण माना जाता है। दुर्भाग्य से हमारे अपने देश की स्थिति इस रिपोर्ट में अपेक्षाकृत काफी नीचे रही है। इससे स्पष्ट होता है कि वास्तव में खुशी पाने के लिए आर्थिक विकास के साथ-साथ सामाजिक और मानसिक संतुलन पर भी ध्यान देना जरूरी है।

खुशी दिवस मनाने का उद्देश्य

विश्व खुशी दिवस केवल एक औपचारिक उत्सव भर नहीं है। यह आधुनिक जीवन की कई गंभीर समस्याओं की ओर ध्यान दिलाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक दुनिया में आज करोड़ों लोग तनाव, अवसाद और चिंता जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। आधुनिक जीवन में प्रतिस्पर्धा, नौकरी के दबाव, आर्थिक चिंताएं और सामाजिक अपेक्षाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। ऐसे माहौल में खुशी और मानसिक संतुलन को प्राथमिकता देना बेहद जरूरी हो गया है। चूंकि आज सफलता को लोग पद, पैसा और प्रतिष्ठा से जोड़ते हैं। ऐसे में विश्व खुशी दिवस हमें याद दिलाता है कि जीवन की यह वास्तविक सफलता, मानसिक संतोष और रिश्तों की गर्माहट में ही होती है।

असंतोष से दूर हो रही खुशी

देखने में आता है कि सोशल मीडिया की वजह से पहले की तुलना में लोग आपस में कहीं ज्यादा जुड़े रहते हैं। लेकिन हकीकत यह है कि लोगों के बीच से सामाजिक संबंध आज बेहद कमजोर हो गए हैं। अकेलापन आज कई देशों में एक बड़ी सामाजिक समस्या बन चुका है। ऐसे में यह खुशी दिवस हमें परिवार, मित्रों और समाज के साथ वास्तविक जुड़ाव की अहमियत बताता है। किसी देश-समाज में चाहे जितना भी आर्थिक विकास हो गया हो, लेकिन अगर वहां लगातार तनाव रहता है, लोग अनेक किस्म के असंतोषों के साथ जी रहे होते हैं, तो वह विकास अधूरा ही कहलाएगा। इसलिए आज कई अर्थशास्त्री तथा नीति-निर्माता जीवन की गुणवत्ता को विकास का महत्वपूर्ण मापदंड मानते हैं। यही वजह है कि आज की तेज रफ्तार जीवनशैली में लोगों के पास जीवन जीने के साधन चाहे जितने बढ़ गए हों, लेकिन वह खुशी के मामले में अतीत से काफी पिछड़े हुए हैं।

प्रकृति से दूरी ने कम की खुशी

यकीनन, मोबाइल फोन ने हमारे रोजमर्रा के जीवन के काम-काज को तो आसान बनाया है, लेकिन इसकी वजह से लगातार हम जितने ज्यादा लोगों के संपर्क में रहते हैं, हमारे असंतुष्ट और तनावग्रस्त होने की उतनी ही अधिक आशंका मौजूद रहती है। आज दुनिया के 97 फीसदी से ज्यादा लोग किसी न किसी वजह से अपने आपको इतिहास के किसी भी दूसरे समय के मुकाबले कहीं ज्यादा व्यस्त पा रहे हैं। यही कारण है कि आज दुनिया में आधे से ज्यादा लोगों का प्रकृति के साथ पहले जो सीधा रिश्ता हुआ करता था, वह रिश्ता पूरी तरह से खत्म हो गया है। जिन लोगों का थोड़ा बहुत रिश्ता बचा भी है, वह बेहद औपचारिक तथा लेन-देन का हो गया है। प्रतिस्पर्धा की लगातार बढ़ती आदत हमें प्राकृतिक रूप से खुश नहीं रहने देती है। ऐसे में इस खुशी दिवस के मौके पर हर किसी को यह अपने मन में गांठ बांध लेनी चाहिए कि जीवन की असली सफलता और उपलब्धियां कहीं पहुंच जाना भर नहीं है बल्कि कहीं पहुंचकर भी खुश और संतुलित जीवन बिताना ही सही मायनों में जिंदगी की समग्र खुशी है। *

हमारे भीतर होते हैं खुशी के रसायन

आधुनिक मनोविज्ञान काफी पहले यह साबित कर चुका है कि खुशी को केवल भावनात्मक अनुभव ही नहीं बल्कि मानसिक और जैविक प्रक्रिया भी समझा जाता है। जब हम खुश होते हैं तो वैज्ञानिकों के मुताबिक हमारे शरीर में से कई महत्वपूर्ण रसायनों का स्राव होता है, जैसे डोपामाइन जो हमें प्रेरणा और आनंद की स्थिति में ले जाता है। सेरोटोनिन, जो मन को स्थिर और संतुलित बनाए रखता है। इसी क्रम में ऑक्सीटोसिन एक ऐसा रासायनिक स्राव है, जो हममें सामाजिक संबंधों और विश्वास से जुड़े हार्मोन पैदा करता है, जिससे कि हम खुश रहते हैं और एक-दूसरे के प्रति लगाव महसूस करते हैं। इसी तरह एंडोर्फिन भी इसी क्रम का एक हार्मोन है, जो खुश रहने पर हमारे शरीर में पैदा होता है और जिससे हम अपने दर्द को कम करने व खुशी को बढ़ाने में कामयाब होते हैं।

विशेषः विश्व खुशी दिवस, 20 मार्च

जीवनशैली
शिखर चंद जैन

वैसे तो खुशी पाने के लिए अपने स्तर पर आप हर संभव प्रयास करते ही होंगे। लेकिन यहां हम कुछ ऐसे छोटे-छोटे आसान और नायाब तरीकों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आपको जिंदगी में भरपूर खुशी हासिल होगी।

आपको खुशियों से भर देंगे ये आसान-नायाब तरीके

इस दुनिया का हर इंसान खुशी हासिल करना चाहता है। लोग खुशी के लिए न जाने कितने जतन करते हैं। लेकिन कई बार खुशी बड़ी-बड़ी चीजों से नहीं मिल पाती बल्कि छोटी-छोटी सी कोशिशों से मिल जाती है।

इमेजिनेशनः केवल 30 सेकेंड के लिए कल्पना करें कि जो चीजें आपके पास हैं (जैसे आपका घर, पसंदीदा डिवाइस या कोई प्यारा रिश्ता) वो आपके पास नहीं हैं। इनकी अनुपस्थिति वाली स्थिति से जब आप हकीकत में लौटेंगे और अपने पास इन चीजों को पाएंगे तो आपको उन चीजों के होने की असली खुशी भीतर तक महसूस होगी।

भविष्य के नाम खतः आने वाले कुछ वर्षों बाद जैसे जीवन की चाहत आप करते हैं, उसको ध्यान में रखते हुए 'स्वयं' को अपनी आज की खुशियों और सपनों के बारे में एक पत्र लिखें और उसे छिपा दें। जब कभी आप उसे पढ़ेंगे, खुशी मिलेगी।

पुराने किस्सों का पिटाराः बचपन की सुखद यादें या परिवार के साथ बिताई गई छुट्टियां 'हैप्पीनेस एंकर' की तरह काम करती हैं, जो भविष्य में कठिन समय आने पर हमें सहारा देती हैं। परिवार या पुराने दोस्तों को फोन करें और पुरानी यादें ताजा करें। अच्छी यादें दिल और दिमाग को सुकून देती हैं। बुजुर्गों से उनके चटपटे अनुभव और सीख देने वाली दिलचस्प कहानियां सुनना भी सुकून देता है।

साइलेंट डिस्को पार्टीः घर पर अकेले या परिवार के साथ हेडफोन लगाकर अपनी पसंद के गानों पर कुछ देर नाचें। इससे बिना किसी शोर-शराबे के तनाव कम होगा, मूड अच्छा होगा और आपको खुशी मिलेगी।

बच्चों वाली शरारतेंः जब कभी मन करे चॉक लेकर स्लेट पर या पेन, पेंसिल से कॉपी में कुछ मजेदार चित्र बनाएं या हॉप-स्कॉच (पकड़ा-पकड़ी) जैसा कोई खेल खेलें। अपने 'इनर चाइल्ड' को बाहर लाना खुशी का बेहतरीन स्रोत है। कभी-कभी बच्चों की तरह बिना किसी खास वजह के जोर से हंसने की कोशिश करें। यह शरीर में एंडोर्फिन हार्मोन रिलीज करता है, इससे मूड तुरंत हैप्पी फील करता है।

पास्ट-सेल्फ को 'थैंक यू' कहेंः केवल भविष्य की चिंता करने की बजाय, हर हफ्ते कुछ मिनट निकालकर अपने 'पुराने स्वरूप' को धन्यवाद दें। अपने पुराने स्वरूप को धन्यवाद कहना खुद से जुड़ने और अपनी प्रगति को सराहने का एक खूबसूरत तरीका है। जैसे मुश्किल समय में डटे रहने के लिए, सही चुनाव करने के लिए, सीखने और बढ़ने के लिए, खुद पर विश्वास रखने के लिए, धैर्य के लिए।

द मिस्टेक सेलिब्रेशनः जब आपसे कोई छोटी गलती हो जाए, तो उस पर झुंझलाने के बजाय मुस्कुराएं और कहें, 'वाह, एक और सीख मिली!' अपनी गलतियों को उत्सव की तरह देखने से तनाव कम होता है।

नकली मुस्कान का जादूः विज्ञान कहता है कि भले ही आप अंदर से खुश न हों, लेकिन शीशे में देखकर जबरदस्ती मुस्कुराने से दिमाग में खुशी वाले न्यूरोकेमिकल्स रिलीज होते हैं। इससे खुशी का अहसास होता है। इसे 'फेक इट टिल यू मेक इट' कहते हैं।

मिट्टी से जुड़ावः नंगे पैर मिट्टी या घास पर चलें। यह शरीर की इलेक्ट्रिकल ऊर्जा को संतुलित करता है और मन को शांत-खुश रखने में मदद करता है।

घर की सजावट बदलेंः अपने रहने की जगह को व्यवस्थित करें। साफ-सुथरा और सजा हुआ घर मानसिक शांति और खुशी देता है।

पेड़ों-पक्षियों को निहारनाः पेड़-पौधों और पशु-पक्षियों को निहारना मन को सुकून देता है। केवल एक मिनट के लिए किसी ऊंचे पेड़ को ऊपर की ओर

देखें। यह आपको रोजमर्रा की भाग-दौड़ में ठहरने और प्रकृति से जुड़ाव महसूस कराएगा। किसी पार्क में बैठें और बस पक्षियों की चहचहाहट और हरकतों पर ध्यान दें। शोध बताते हैं कि पक्षियों के संग समय बिताने से खुशी मिलती है।

वर्क प्लेस के लिएः ऑफिस में तनाव को कम करने और छोटी-छोटी खुशियां ढूंढ़ने के लिए अपनी डेस्क पर ऐसी चीजें रखें, जो आपको मुस्कुराने पर मजबूर कर दें, जैसे कोई मजेदार मैग्नेट, छोटा पौधा या अपनी पसंदीदा वैकेशन की फोटो। बोरियत या स्ट्रेस के समय, दिन भर की छोटी-छोटी उपलब्धियों को लिखें। यह आपको एहसास कराएगा कि आप प्रगति कर रहे हैं। हर एक घंटे में 2-3 मिनट के लिए अपनी सीट से उठें। गहरी सांस लें या बस थोड़ा चलें, इससे दिमाग को ताजगी-खुशी मिलती है। *

लघुकथा / रंजना जायसवाल

राजा बेटा

आज सुबह से माया को अपने बेटे विक्रम की बहुत याद आ रही थी। उसे आज भी वह दिन याद है, जब वह उसका आंचल पकड़े दिन भर इधर से उधर घूमता रहता था। उसकी इस हरकत पर उसका नाम ही पड़ गया था पिछलग्गू। पर वक्त के साथ कितना कुछ बदल गया था। बगल वाली शुक्ला भाभी अपने दो छोटे बच्चों को छोड़ जब इस दुनिया से चली गई थीं। कितना डर गया था विक्रम। कहीं उसकी मां भी शुक्ला आंटी की तरह...।

उनके बच्चे बार-बार यही कहकर रो रहे थे, 'अब हम बिल्कुल शैतानी नहीं करेंगे, मां आप वापस आ जाओ।' बेचारे कहां जानते थे उनकी मां तो ऐसी दुनिया में चली गई थीं जहां से कोई लौटकर नहीं आता। विक्रम ने सहम कर पूछा था, 'मां! आप तो मुझे छोड़कर कहीं नहीं जाएंगी न'

'तुझे छोड़कर भला मैं कहां जा सकती हूं। तू तो मेरा राजा बेटा है।'

माया ने विक्रम के भोले चेहरे को पुचकारते हुए कहा था। 'और मां आप? राजा की मां तो रानी मां हुई न' वह खिलखिला कर हंस पड़ी थीं, 'हां बिल्कुल।'

'रानी मां कहां रहती हैं?' विक्रम के सवाल खत्म होने को नहीं आते थे। 'वोवो तो महलों में रहती हैं, अपने राजा बेटे के साथ।'

'मैं भी आप के साथ महलों में रहूंगा' विक्रम खुशी से चिल्ला पड़ा था, उसकी इस हरकत से उनकी आंखें भर आई थीं। तभी एक तेज आवाज से माया की तंद्रा टूटी। वह वर्तमान में लौटी। उसकी नजर आश्रम के बोर्ड पर पड़ी जहां बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा था 'वृद्धाश्रम।'

वह मन ही मन बुदबुदाई, 'राजा बेटे ने तो रानी मां के साथ रहने का वायदा किया था पर वह उन्हें यहां छोड़कर क्यों चला गया?' *

व्यंग्य / पंकज प्रसून

घर पहुंचा विश्व युद्ध!

कल दोपहर किचन में दाल पक रही थी। जैसे ही कुकर की सीटी बजी, मैं डाइनिंग टेबल के नीचे दुबक गया। मुझे लगा ईरान ने इजराइल के चक्कर में मिसाइलें इधर ही दाग दी हैं और अब अगला सायरन साक्षात यमराज ही बजाएंगे।

एआई इमेज

आजकल मेरी रीढ़ की हड्डी के स्थान पर 55 इंच का एक एलईडी पैनल फिट हो चुका है, जिस पर चौबीसों घंटे ब्रेकिंग न्यूज का हड़कंप मचा रहता है। मेरा हाल यह है कि मैं अपने घर के सोफे के बजाय एक अभेद्य बंकर में विराजमान होता हूं। शाम के सात बजने पर जैसे ही न्यूज चैनल चालू होता है, मेरे ड्राइंग रूम में भी जैसे तीसरे विश्व युद्ध का आगाज हो जाता है। एंकर महोदय इस तरह चिल्लाते हैं मानो मिसाइल का पिछला हिस्सा उन्हीं के स्टूडियो में रखा हो और वे बस माचिस दिखाने ही वाले हों। उनके चिल्लाने की आवृत्ति इतनी तीव्र होती है कि घर की छिपकलियां तक सरेंडर कर देती हैं।

मेरी इंद्रियों का पूरी तरह सैन्यीकरण हो चुका है। कल दोपहर किचन में दाल पक रही थी। जैसे ही कुकर की सीटी बजी, मैं डाइनिंग टेबल के नीचे दुबक गया। मुझे लगा ईरान ने इजराइल के चक्कर में मिसाइलें इधर ही दाग दी हैं और अब अगला सायरन साक्षात यमराज ही बजाएंगे। पत्नी ने तंज कसा, 'उठिए महाराज, यह कोई 'आयरन डोम' फेल होने की आवाज होने से रही, अरहर की दाल है, तीन सीटी में गलती है।' मगर उसे क्या पता कि जिसे वह दाल कहती है, मुझे उसमें बारूद की गंध आती है। शाम को पड़ोस का बच्चा छत पर पतंग उड़ा रहा था, नीले आसमान में वह लाल पतंग मुझे साक्षात किलर-ड्रोन नजर आई। मैं वहीं बालकनी में लेट गया और रेंगते हुए अंदर आया। मुझे पूरा यकीन था कि यह पतंग महज कागज का टुकड़ा होने के बजाय मोसाद द्वारा भेजा गया कोई सर्वेक्षण यान है, जो मेरी फटी हुई बनियान की जासूसी कर रहा है।

फेसबुक खोलता हूं तो लगता है कि देश का हर वह व्यक्ति, जिसके पास डेढ़ जीबी का डेटा पैक है, वह व्हाइट हाउस का मुख्य सलाहकार बना बैठा है। जिस आदमी को यह पता तक है कि पड़ोस की गली में नाली क्यों जाम है, वह भी फेसबुक पर दुनिया का नक्शा लेकर समझा रहा है कि ईरान को मिसाइलें किस एंगल से छोड़नी चाहिए थीं। हमारे मित्र वर्मा जी, जो मोहल्ले की क्रिकेट टीम में 'एक्स्ट्रा' खिलाड़ी बनने के लायक भी नहीं समझे जाते, फेसबुक पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ बने घूम रहे हैं। उन्होंने पोस्ट डाली है- 'अगर मैं नेतन्याहू की जगह होता, तो अब तक बटन दबा चुका होता।' नीचे उनके साढ़ू ने कमेंट किया है, 'भाई साहब, पहले सुबह मोटर चलाकर पानी तो भर लिया कीजिए, भाभी चिल्ला रही हैं।' न्यूज चैनलों पर बैठने वाले रक्षा विशेषज्ञ तो और भी अद्भुत हैं। वे ऐसे चहकते हैं जैसे युद्ध के बजाय गांव का मेला चल रहा हो। एक रिटायर्ड सैन्य अधिकारी ने पेन उठाकर नक्शे पर ऐसी लकीर खींची जैसे वे स्कूल में बच्चों को 'क' से कबूतर सिखा रहे हों। उन्होंने कहा, 'देखिए, यहां से मिसाइल जाएगी और सीधे किचन में गिरेगी।' मैंने डर के मारे चाय का कप नीचे रख दिया, कहीं मिसाइल मेरी चाय में ही लैंड न कर जाए।

ऑफिस से घर लौटकर चैन की उम्मीद थी, मगर वहां द्विपक्षीय वार्ता पहले ही विफल हो चुकी थी। पत्नी ने पूछा, 'सब्जी लाए?' मैंने कहा, 'युद्ध के कारण वैश्विक बाजारों में उतार-चढ़ाव है, टमाटर की कीमतों ने बैलिस्टिक मिसाइल की गति पकड़ ली है।' पत्नी का पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया। उसने जो 'वाक-युद्ध' शुरू किया, उसके सामने न्यूज चैनल के एंकर भी पानी भरें। उसने कहा, 'ये जो चौबीस घंटे टीवी देखते हो, इससे दिमाग का सॉफ्टवेयर करप्ट हो गया है। घर में गृहयुद्ध की स्थिति है और तुम्हें ईरान-इजराइल की चिंता है।' झगड़ा बढ़ा तो उसने बेलन हाथ में उठा लिया। उस क्षण मुझे अहसास हुआ कि असली हाइपरसोनिक वेपन तो यही है। मैंने तुरंत युद्धविराम की घोषणा कर दी। बिना शर्त माफी मांगना ही सबसे सुरक्षित डिफेंस सिस्टम है।

रात को जब टीवी बंद करता हूं और सन्नाटा छाता है, तो दिल के किसी कोने में एक सिहरन दौड़ जाती है। टीवी के पर्दे पर जो आग दिखती है, वह दूर किसी के घर को सचमुच राख कर रही होती है। आसमान में उड़ती पतंग जब ड्रोन लगने लगे और कुकर की सीटी सायरन बन जाए, तो समझ लेना चाहिए कि युद्ध केवल सीमाओं पर लड़े जाने के बजाय हमारे दिमागों के भीतर घुसकर बमबारी कर रहा है। हम सब एक ऐसे 'वॉर जोन' में जी रहे हैं, जहां शांति एक ब्रेकिंग न्यूज बनकर रह गई है और हमारी संवेदनाएं कहीं मलबे में दबी पड़ी हैं। मिसाइल शायद मेरे घर पर गिरने से रही, मगर उस डर की मिसाइल ने मेरे सुकून को तो जख्मी कर ही दिया है। टीवी का रिमोट हाथ में है, पर जीवन का कंट्रोल शायद उन लोगों के हाथ में है, जो युद्ध की कमेंट्री बेचकर अपना घर चला रहे हैं। *

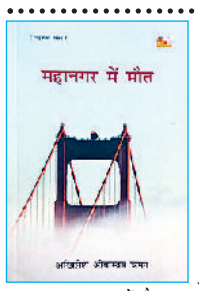

पुस्तकः महानगर में मौत, लेखकः अखिलेश श्रीवास्तव चमन, मूल्यः 225 रुपए, प्रकाशकः न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

मर्मस्पर्शी लघुकथाएं

वरिष्ठ साहित्यकार अखिलेश श्रीवास्तव चमन का नया लघुकथा संग्रह 'महानगर में मौत' कुछ समय पूर्व छपकर आया है। इसमें कुल जमा 55 लघुकथाएं संकलित हैं। ये लघुकथाएं अपने छोटे कलेवर में भी जीवन से जुड़े तमाम पहलुओं की श्याम-श्वेत छवियां उजागर करती हैं। महानगरीय जीवनशैली ने किस तरह हमें संवेदनशून्य बना दिया है और हमारे रिश्तों में से भावनात्मक जुड़ाव छीजता जा रहा है, इसकी बानगी 'महानगर में मौत' और 'बीमारी' लघुकथाओं में देखी जा सकती है। हमारे समाज में सांप्रदायिकता और जातिवाद आज भी किस कदर हावी है और इस मानसिकता का स्वार्थी लोग कैसे दुरुपयोग करते रहते हैं, इसे प्रभावी तरीके से 'राजनीति' और 'इंटरव्यू' में पढ़ सकते हैं। 'अजूबा' और 'गाली' जैसी कुछ लघुकथाओं में लेखक ने आज के दौर की जीवनशैली और नेताओं पर कटाक्ष किया है। कह सकते हैं कि ये लघुकथाएं हमारे समय के विद्रूप को मार्मिकता से व्यक्त करती हैं। *

हरिभूमि
रविवार भारती
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 15 मार्च 2026
विविधा P-2

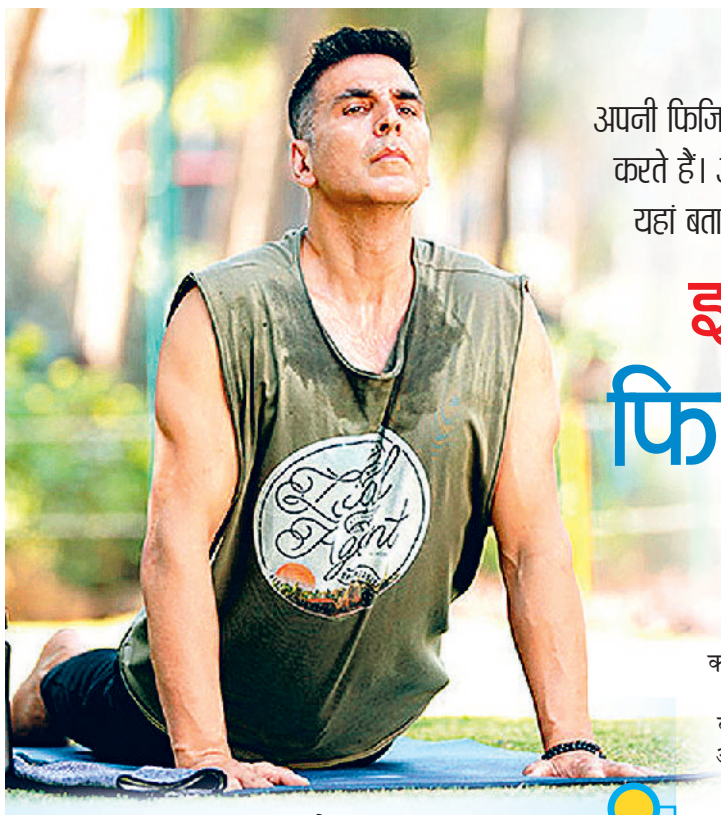

सेलेब्स लाइफस्टाइल / दिव्यज्योति 'नंदन'

अपनी फिजिकल और मेंटल फिटनेस के लिए कई बॉलीवुड सेलिब्रिटीज योग का अभ्यास करते हैं। अच्छी बात यह है कि उनसे इंस्पायर होकर उनके फैंस भी योगा करते हैं। यहां बता रहे हैं, कुछ योगा लवर स्टार्स और उनके फेवरेट योगासनों के बारे में।

इन बॉलीवुड सेलिब्रिटीज की फिटनेस का राज है योग

अक्षय कुमार योग बनाता है मजबूत-ऊर्जावान

अक्षय कुमार को बॉलीवुड का सबसे अनुशासित और फिट अभिनेता माना जाता है। वह सुबह 4 बजे उठते हैं, रात में 9 बजे तक सो जाते हैं। अक्षय सुबह उठकर जॉगिंग करने के बाद अष्टांग योग, सूर्य नमस्कार, प्राणायाम और ध्यान नियमित रूप से करते हैं। उनका मानना है कि योग शरीर को भीतर से मजबूत बनाता है और उम्र बढ़ने के बावजूद ऊर्जा बनाए रखता है। उनकी फुर्ती का सबसे बड़ा कारण योग अभ्यास ही है। वह जिन योगासनों को खासतौर से करते हैं, उनमें भुजंगासन, वृक्षासन और अनुलोम-विलोम प्राणायाम शामिल हैं। *

शिल्पा शेट्टी योग रखे फिजिकली-मेंटली फिट

बॉलीवुड और नए जमाने की महिलाओं में योग को लोकप्रिय बनाने में शिल्पा शेट्टी का बड़ा योगदान है। शिल्पा शेट्टी अपनी योग गतिविधियों की सीडी और डीवीडी बनाया करती थीं। अब वे सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस को योगा के लिए इंस्पायर करती हैं। आज भी पूरी तरह से फिट शिल्पा शेट्टी आमतौर पर हठ योग, पावर योग और फ्लैक्सिबिलिटी बेस्ड आसनों पर विशेष ध्यान देती हैं। शिल्पा शेट्टी जिन योगासनों को नियमित तौर पर करना पसंद करती हैं, उनमें शीर्षासन, नौकासन, धनुरासन और त्रिकोणासन शामिल हैं। शिल्पा शेट्टी का मानना है कि योग केवल आपको शारीरिक रूप से ही फिट नहीं रखता बल्कि मानसिक तौर पर भी स्वस्थ बनाता है। *

मलाइका अरोड़ा संतुलन बनाने में सहायक योग

50 साल की उम्र पार करने के बाद भी मलाइका अरोड़ा की फिटनेस चर्चा का विषय रहती है। मलाइका नियमित रूप से हठ योग, अष्टांग योग और पावर योग करती हैं। मलाइका अरोड़ा को जो आसन खास तौर पर पसंद हैं, उनमें शीर्षासन, चक्रासन और सूर्य नमस्कार शामिल हैं। मलाइका का मानना है कि योगासन सिर्फ बॉडी को शेप ही नहीं देते बल्कि आपको अनुशासित भी करते हैं। इससे शरीर को संतुलित बनाए रखने में मदद मिलती है। *

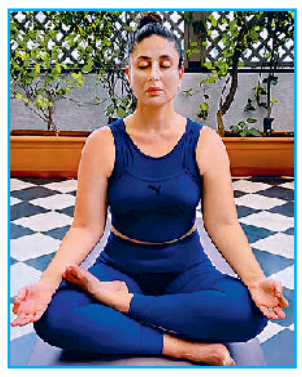

करीना कपूर गर्भावस्था में बताई योग की महत्ता

करीना कपूर अपनी गर्भावस्था के दौरान नियमित रूप से योग करती थीं और योग करते हुए उनके वीडियोज सोशल मीडिया में खूब वायरल होते थे। यही कारण है कि उनकी प्रेरणा से अनेक युवतियों ने गर्भावस्था में भी योग करना शुरू किया। करीना कपूर योग के जरिए पोस्ट डिलीवरी फिटनेस आइकन बनीं। वे मुख्य रूप से प्रीनेटल योग, पिलेट्स योग, मिक्स योग और ध्यान करती हैं। उनका कहना है कि योग की वजह से पोस्ट डिलीवरी टाइम में जल्द से जल्द रिकवर करने और अपना बेहतर स्टेमिना पाने में वह सफल रही हैं। करीना कपूर जिन आसनों को खासतौर पर करना पसंद करती हैं, उनमें बृहदकोण आसन, ताड़ासन, सुखासन और कुछ प्राणायाम हैं। *

टाइगर श्रॉफ मार्शल आर्ट्स के साथ योगाभ्यास

सबसे लचीली और चुस्त-दुरुस्त बॉडी वाले नई पीढ़ी के एक्टर्स में टाइगर श्रॉफ भी शामिल हैं। अपनी जबर्दस्त एथलेटिक बॉडी की वजह से टाइगर बहुत से युवाओं के फिटनेस आइकन हैं। टाइगर श्रॉफ वास्तव में मार्शल आर्ट्स और योग के मिश्रण का अभ्यास अपनी फिटनेस के लिए करते हैं। टाइगर मूलतः स्ट्रेचिंग आधारित आसनों पर जोर देते हैं ताकि उनका शरीर न केवल लचीला बना रहे बल्कि फिल्म की शूटिंग के दौरान लगने वाली चोटों से भी सुरक्षित रहे। टाइगर जो आसन करना पसंद करते हैं, उनमें हनुमान आसन, अधोमुख श्वानासन, वृक्षासन और प्राणायाम प्रमुख हैं। *

अनोखे ढंग से बनाई जाती हैं ये सबसे महंगी कॉफियां

रोचक
रजनी अरोड़ा

कॉफी तो आप अकसर पीते ही होंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कॉफी की कुछ वैरायटीज की कीमत हजारों रुपए किलो तक होती है? अगर आप भी कॉफी-लवर हैं, तो दुनिया की इन चुनिंदा महंगी कॉफियों के बारे में जरूर जानना चाहेंगे।

इसमें कोई दो राय नहीं कि जब सुस्ती या थकान महसूस हो रही हो तब एक कप गर्मा-गर्म कॉफी एनर्जी-बूस्टर का काम करती है। आज दुनिया भर में कॉफी की ढेरों वैरायटीज उपलब्ध हैं। कई अलग-अलग तरीकों से तैयार की जाने वाली इन कॉफियों के स्वाद ही नहीं, कीमतों में भी विविधता देखने को मिलती है। कॉफी की कुछ वैरायटीज की कीमत तो आसमान छूती है, फिर भी कॉफी-लवर इन्हें बड़े चाव से पीते हैं। दरअसल, इन कॉफी को बेशकीमती बनाती हैं इनकी प्रोसेसिंग यानी बनाने के अजीबो-गरीब तरीके। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

कोपी लुवाक या सिवेट कॉफी: इंडोनेशिया की पहचान है यह कॉफी। इस कॉफी को एशियन पाम सिवेट यानी लुवाक बिल्ली को खिलाकर प्रोसेस किया जाता है। सिवेट को पूरी तरह पकी हुई और मीठी कॉफी बींस खिलाए जाते हैं। उसकी आंतों के पाचक

एंजाइम्स, बींस के गूदे को पचा लेते हैं और बीजों को फर्मेंट करके उनकी कड़वाहट कम कर देते हैं। बीज डाइजेस्ट न हो पाने के कारण मल के जरिए बाहर निकल जाते हैं। फिर इन बीजों को साफ कर सुखाया जाता है। फिर रोस्ट कर कॉफी बनाई जाती है। सिवेट कॉफी, कैरेमल और चॉकलेट फ्लेवर की होती है। यह कॉफी करीब एक लाख रुपए प्रति किलो कीमत में बिकती है।

फिंका एल इंजेर्तो: ग्वाटेमाला में मिलने वाली यह कॉफी अपनी प्रीमियम क्वालिटी के लिए मशहूर है। इसके लिए पीबेरी कॉफी बींस का उपयोग किया जाता है, जिसकी खेती बहुत सीमित मात्रा में होती है। बींस को नियंत्रित फर्मेंटेशन और प्राकृतिक रूप से धूप में सुखाया जाता है। छोटे-छोटे बैच में हल्का रोस्ट कर कॉफी तैयार की जाती है। फूलों जैसी सुगंध और वाइन सरीखे स्वाद वाली यह कॉफी लग्जरी कॉफी कॉम्पिटिशन में कई बार हाई रैंक पा चुकी है। यह कॉफी करीब 90 हजार रुपए प्रति किलो में बिकती है।

ब्लैक आइवरी: थाइलैंड में मशहूर इस कॉफी को बनाने के लिए हाथियों की मदद ली जाती है। हाथी पकी हुई अरेबिका कॉफी बींस खाते हैं, जिन्हें वे पाचन क्रिया

धीमी होने की वजह से ठीक तरह से पचा नहीं पाते। उनके मल से बीजों को इकट्ठा करके कॉफी बनाई जाती है। यह कॉफी चॉकलेटी हल्की मिठास लिए होती है और इसमें कड़वाहट न के बराबर होती है। ब्लैक आइवरी कॉफी की कीमत करीब 80 हजार रुपए प्रति किलो होती है।

सेंट हेलेना: यह कॉफी अटलांटिक महासागर के मध्य में बसे सेंट हेलेना नामक छोटे-से द्वीप में उगाई जाती है। यह कॉफी दुर्लभ हरे बॉर्बन बीजों को प्राकृतिक तौर

पर हवा में सुखाकर और हल्का रोस्ट करके बनाई जाती है। इस कॉफी का स्वाद हल्का खट्टा, मसालेदार और वाइन जैसा होता है। सदियों पहले इटली के राजा नेपोलियन के समय में भी इसके प्रमाण मिलते हैं। आज इसकी कीमत करीब 70 हजार रुपए प्रति किलो है। *

चिंता
के.पी. सिंह

अब क्यों नहीं दिखती फुदकती-चहकती गौरैया

साल 2010 में भारत के पर्यावरण कार्यकर्ता मोहम्मद दिलावर और उनकी संस्था 'नेचर फॉर एवर सोसायटी' ने जब यह देखा कि देश में पाई जाने वाली घरेलू चिड़िया यानी गौरैया तेजी से कम हो रही है, तो उन्होंने दुनिया के पर्यावरण विशेषज्ञों का ध्यान इस ओर खींचने के लिए 20 मार्च 2010 को गौरैया दिवस मनाने की घोषणा की। बाद में उनकी पहल को पर्यावरण और पारिस्थितिकी विशेषज्ञों द्वारा सराहा गया। फ्रांस की वन्यजीव संस्था 'ईको-से-फाउंडेशन' ने भी बढ़-चढ़कर सहयोग दिया। तब से 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवस दुनिया के 50 से ज्यादा देशों में मनाया जाता है।

पर्यावरण के लिए चिंताजनक: वास्तव में गौरैया एक इंडीकेटर स्पेसीज है। इंडीकेटर स्पेसीज उन जंतु प्रजातियों को कहते हैं, जिनके कम होने या संकटग्रस्त होने का मतलब होता है कि इंसानों की दुनिया में भी संकट आने वाला है। गौरैया की संख्या का घटना गंभीर पर्यावरण-पारिस्थितिकी की निशानी होती है। गौरैया, इंसानी समाज के लिए विशेषकर कृषि आधारित समाजों के लिए इसलिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि उसका बेसिक यानी बुनियादी भोजन कीट है। जब गौरैया की संख्या अच्छी खासी होती है, तो खेती में लगने वाले कीटों की समस्या नहीं रहती। क्योंकि गौरैया कृषि वातावरण से सारे कीटों को चट कर जाती है।

संख्या में हुई भारी कमी: विशेषज्ञों के अध्ययन से पता लगा कि भारत के शहरी क्षेत्रों में गौरैया की संख्या में 60 से 80 फीसदी तक की कमी हो गई है। सबसे ज्यादा यह कमी दिल्ली, बेंगलुरु और मुंबई में देखने को मिली। इसी कारण साल 2012 में दिल्ली सरकार ने गौरैया को राज्य पक्षी घोषित किया। जहां तक इनकी संख्या में लगातार कमी होने की वजहों का सवाल है तो पिछली सदी के 80 और 90 के दशक तथा इस सदी के शुरुआती दशकों में जिस तरह से भारत में शहरीकरण का विस्तार हुआ है और कंकरीट के जंगल बढ़े हैं, उसके चलते गौरैया के आवास की सबसे बड़ी समस्या उठ खड़ी हुई है। इसके बाद हाल के दशकों में बेशुमार मोबाइल टावर से निकलने वाली विकिरणों को भी गौरैया की संख्या में कमी का कारण माना जा रहा है। हालांकि इस संबंध में वैज्ञानिक रूप से पुष्टि नहीं हुई है। इनके अलावा बढ़ता प्रदूषण, कीटनाशकों का अधिक इस्तेमाल भी इनकी घटती संख्या के लिए जिम्मेदार हैं।

लोगों में बढ़ी सजगता: जब से गौरैया दिवस मनाया जाना शुरू हुआ है, आम शहरी लोग गौरैया के महत्व को समझने लगे हैं और उसके संरक्षण के लिए जो कुछ हो सकता है, करने का प्रयास भी करने लगे हैं। आप भी अपनी बालकनी या छत पर कटोरी में अनाज के दाने और पानी की प्याली रख सकते हैं। गार्डन में झुरमुट वाले पौधे लगा सकते हैं। *

पर्यटन स्थल
समीर चौधरी

आपको रोमांच से भर देगा रिवर्स वाटरफॉल का नजारा

किसी पहाड़ की ऊंचाई से गिरता हुआ झरना बहुत ही मनोरम लगता है। लेकिन अगर आप उल्टे झरने का नजारा देखना चाहते हैं तो मानसून के दौरान महाराष्ट्र के कुछ खास स्थलों की यात्रा कर सकते हैं।

आपने पहाड़ों की ऊंचाई से गिरने वाला वाटरफॉल यानी झरना तो जरूर देखा होगा। लेकिन क्या आपने रिवर्स वाटरफॉल यानी झरने का पानी नीचे की बजाय ऊपर की तरफ जाते हुए देखा है? अगर नहीं तो मानसून के दौरान महाराष्ट्र के कुछ खास स्थलों की यात्रा कर सकते हैं। यहां आपको मंत्रमुग्ध करने वाला नजारा दिख जाएगा।

होता है अनोखा एहसास: रिवर्स झरना एक ऐसा नजारा है, जिसे देखकर लगता है कि एक नई दुनिया आपके सामने खुल गई है। महाराष्ट्र में रिवर्स वाटरफॉल की यह प्राकृतिक घटना, पर्यटकों को आश्चर्य में डाल देती है। इसमें पानी नीचे नहीं गिरता है बल्कि वापस उल्टा हवा में उड़ता है। पानी नीचे गिरने की बजाय हवा के बल से वापस आसमान की तरफ जाने लगता है, धुंध की तरह बिखरता हुआ। एक सामान्य झरना ऐसे दृश्य में बदल जाता है, जो तीव्र, अविश्वसनीय और लगभग जादुई-सा प्रतीत होती है। ऊपर की तरफ का यह नेचुरल स्प्रे, सिनेमाई नजारा उत्पन्न करता है और ऐसा प्रतीत होता है, जैसे प्रकृति गुरुत्वाकर्षण के नियमों को बदल रही है। इस अद्भुत नजारे के दीदार के साथ-साथ आस-पास की सुंदर जगहों की सैर और स्थानीय भोजन का स्वाद आपकी यात्रा को और यादगार बना देगा।

कुछ दिनों तक दिखता है: रिवर्स वाटरफॉल का यह अनोखा नजारा मानसून के कुछ खास दिनों में ही देखने को मिलता है, जब हवाएं शक्तिशाली होती हैं और पानी को नीचे की बजाय ऊपर की तरफ धकेलती हैं। यह रिवर्स वाटरफॉल अमूमन जून से अगस्त के बीच में देखने को मिलते हैं, जब मानसून की हवाएं सबसे शक्तिशाली होती हैं। अब आपको चार ऐसी जगहों के बारे में बताते हैं, जहां इस प्राकृतिक नजारे का अनुभव किया जा सकता है।

पश्चिमी घाट में स्थित नानेघाट: नानेघाट पास (नानेघाट दर्रा), जुन्नार के निकट पश्चिमी घाटों में स्थित है और मानसून के दिनों में रिवर्स वाटर फॉल का अदभुत नजारा प्रस्तुत करता है। नानेघाट से निकटतम रेलवे स्टेशन कल्याण जंक्शन है, जहां से आप टैक्सी या बस से जुन्नार जा सकते हैं और फिर नानेघाट की तरफ बढ़ सकते हैं। अगर सड़क की बात करें तो अनेक मार्गों से यह बहुत अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। पुणे से आप बस या कैब से जुन्नार पहुंच सकते हैं। यह दूरी लगभग 95 किमी. है। मुंबई से जाना चाहते हैं तो मुंबई-नासिक हाईवे (एनएच-3) या मुंबई-आगरा हाईवे (एनएच-61) पर सफर किया जा सकता है।

सघन घाटी में स्थित समराद गांव: गजब की सघन घाटी में समुद्र की सतह से 2000 फीट की ऊंचाई पर स्थित समराद गांव भी मानसून में उल्टे

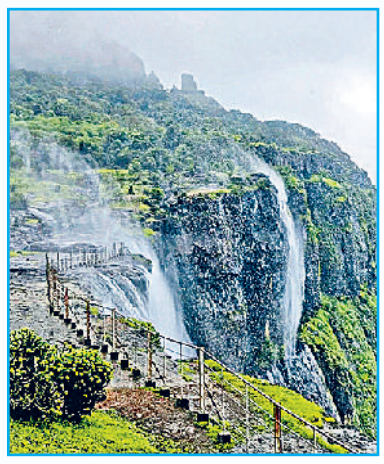

झरने का ऐसा अनुभव कराता है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस गांव तक पहुंचने के लिए आप मुंबई या पुणे से सड़क मार्ग का उपयोग कर सकते हैं। दोनों जगहों से यह लगभग चार से पांच घंटे की ड्राइव के फासले पर है। पूरी सड़क यात्रा के दौरान भी सुंदर नजारों वाले दृश्य आप देख सकते हैं।

हरी-भरी पहाड़ियों में स्थित कवलशेत पॉइंट: कवलशेत पॉइंट, अंबोली की हरी-भरी पहाड़ियों में स्थित है, जो गहरी वादियों और अनेक छोटे-छोटे झरनों से घिरा हुआ है। यह पॉइंट मानसून के दौरान विशेष रूप से जादुई बन जाता है, जब तेज हवाएं नीचे गिरते पानी को ऊपर उठाने लगती हैं। कवलशेत पॉइंट पहुंचने के लिए मुंबई-गोवा हाईवे पर सावंत वादी की तरफ यात्रा करें। वहां से अंबोली की तरफ चलना होगा, जोकि लगभग 30 किमी. की दूरी पर स्थित है। अंबोली टाउन से कवलशेत पॉइंट पास में ही है।

हनुमान जी की जन्मस्थली अंजनेरी: नासिक से मात्र 20 किमी. की दूरी पर स्थित अंजनेरी में भी रिवर्स वाटरफॉल का शानदार नजारा देखने को मिलता है। अंजनेरी का बहुत अधिक धार्मिक व ऐतिहासिक महत्व भी है क्योंकि मान्यता है कि यह भगवान श्री हनुमान जी की जन्मस्थली है और इस जगह का नाम उनकी मां अंजनी के नाम पर पड़ा है।

अंजनेरी पहुंचने के लिए यहां से निकटतम रेलवे स्टेशन नासिक है, जहां से इस गांव के लिए टैक्सी ले सकते हैं। अगर सड़क से जाना है तो कैब या बस से नासिक रोड से त्र्यंबकेश्वर की तरफ चलें और फिर त्र्यंबकेश्वर-अंजनेरी सड़क पर यात्रा करनी होगी। *

इन बातों का रखें ध्यान

अगर कुछ महीने बाद आने वाले मानसून के दौरान आप रिवर्स वाटरफॉल देखने प्लानिंग बना रहे हैं तो कुछ बातों का अवश्य ध्यान रखें-

- उचित प्रकार के जूते-कपड़े लेकर जाएं क्योंकि मानसून में यहां के रास्ते फिसलन भरे हो सकते हैं।
- निर्धारित रूट पर ही यात्रा करें। जाने से पूर्व मौसम की जानकारी हासिल कर लें।
- अपने साथ पीने का पानी, सूखे स्नैक्स और बेसिक फर्स्ट एड किट रखें।
- स्थानीय गाइड की मदद ले सकते हैं। वे सही जानकारी देंगे और सुरक्षित अनुभव सुनिश्चित करेंगे।

जागरूकता
अंजू जैन

हमें जीवनदायी ऑक्सीजन और अनेक उपयोगी वस्तुएं प्रदान करने वाले वन, किसी अनमोल खजाने से कम नहीं हैं। इसलिए हमें इनके संरक्षण के प्रयास करने चाहिए।

प्रकृति का अनमोल खजाना वन

आपने क्या कभी सोचा है, अगर जंगल न होते तो हमारी दुनिया कैसी होती? जंगल सिर्फ पेड़ों का समूह भर नहीं होते हैं, बल्कि वे धरती के 'फेफड़े' जैसे होते हैं, जो हमें सांस लेने के लिए स्वच्छ हवा देते हैं। वनों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से ही हर साल 21 मार्च को अंतरराष्ट्रीय वन दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष के लिए इस विशेष दिन की थीम 'वन और अर्थव्यवस्थाएं' निश्चित की गई है।

वन दिवस की शुरुआत: पिछली सदी में विश्व वन दिवस की शुरुआत का विचार आया। सबसे पहले वर्ष 1971 में यूरोपीय कृषि संघ की बैठक में इसे मनाने का विचार पेश किया गया था। बाद में 28 नवंबर 2012 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने एक प्रस्ताव पारित किया और हर साल 21 मार्च को आधिकारिक रूप से वन दिवस मनाने की घोषणा की। पहला अंतरराष्ट्रीय वन दिवस 21 मार्च 2013 को मनाया गया था।

इस वर्ष की थीम: इस वर्ष वन दिवस की थीम 'वन और अर्थव्यवस्थाएं', अर्थव्यवस्था में वनों के योगदान को रेखांकित करती है। जंगल न केवल पर्यावरण के लिए जरूरी हैं, बल्कि वे हमारे देश और दुनिया की अर्थव्यवस्था चलाने में भी बहुत मदद करते हैं। दुनिया भर में लाखों लोग वनों से जुड़े कामों, जैसे वन प्रबंधन, पर्यटन और शोध के जरिए अपनी आजीविका कमाते हैं। हमें जंगलों से लकड़ी, कागज, गोंद, फल और औषधियां मिलती हैं, जिन्हें बेचकर बड़ी संख्या में लोग अपना जीवनयापन करते हैं। जंगल का ईकोसिस्टम, जीव जंतु मिट्टी को उपजाऊ बनाए रखता है और वर्षा लाने में मदद करता है, जिससे हमारी खेती अच्छी होती है। इससे खाद्य पदार्थों की आपूर्ति तो होती ही है, कृषि अर्थव्यवस्था को भी बल मिलता है।

हम सभी के लिए आवश्यक: जंगल में लगे घने पेड़-पौधों का संजाल बाढ़ और सूखे जैसी प्राकृतिक आपदाओं से हमारी रक्षा करता है। अनगिनत पशु-पक्षी और कीड़े-मकोड़े जंगलों में ही रहते हैं। ये पशु-पक्षी, पृथ्वी और मानव समाज के लिए बेहद जरूरी और उपयोगी हैं। पेड़ धरती को ठंडा रखने में मदद करते हैं और ग्लोबल वार्मिंग को कम करते हैं।

हम समझें अपना दायित्व: हम सभी की लापरवाही और स्वार्थी स्वभाव के कारण विकास के नाम पर विनाश हो रहा है और जंगलों की बेतहाशा कटाई हो रही है। यह स्थिति हमारी पृथ्वी के लिए खतरनाक है। ऐसे में हम सभी छोटे-छोटे प्रयासों से भी जंगलों को बचाने में मदद कर सकते हैं। जैसे- आपको पता है कि कागज पेड़ों से बनता है, इसलिए इसे बर्बाद न करें। हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने का प्रयास करना चाहिए। अपने जन्मदिन या किसी खास मौके पर कम से कम एक पौधा जरूर लगाएं। बच्चों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करें। वन और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपने मित्र, रिश्तेदारों और परिचितों को जागरूक करें। उन्हें बताएं कि जंगल हमारे लिए कितने कीमती हैं। याद रखिए, जब जंगल सुरक्षित रहेंगे, तभी हमारा भविष्य भी सुरक्षित और समृद्ध रहेगा। *